काजोल ने रामोजी फिल्म सिटी को कहा था हांटेड

मुंबई, ठाणे, नवी मुंबई, पनवेल, रायगड़, उल्हासनगर, कल्याण एवं अंबरनाथ का लोकप्रिय हिंदी दैनिक

उल्हास विकास

■ वर्ष : 44 ■ अंक : 95 ■ बुधवार, 25 जून 2025 3 रुपए ■ पृष्ठ 4

@ulhasvikas ulhasvikas@gmail.com

संपादक - हीरो अशोक बोधा BMM, L.LB., M.A. Mobile.:- 9822045566

epaper.ulhasvikas.com

दिसंबर में होंगे महानगरपालिका चुनाव!

समय सीमा बढ़ी

डी श्रेणी की महानगरपालिकाओं का वार्ड गठन 13 अक्टूबर तक होगा पूरा

मुंबई. राज्य सरकार द्वारा मनपा चुनाव के लिए वार्ड संरचना तैयार करने की समय सीमा लगभग एक महीने बढ़ा दिए जाने से अब यह स्पष्ट हो गया है कि मुंबई, ठाणे और नवी मुंबई सहित राज्य भर में 29 महानगर पालिकाओं के चुनाव अब दिवाली के बाद दिसंबर में ही संभव होंगे।

नए कार्यक्रम के अनुसार, मुंबई और वर्ग ए, बी और सी नगरपालिकाओं को 6 अक्टूबर तक वार्ड गठन की प्रक्रिया पूरी करने की अनुमति दी गई है। वर्ग डी नगरपालिकाओं की वार्ड संरचना को 13 अक्टूबर तक अंतिम रूप दिया जाएगा।

मुंबई में 227 वार्डों की सीमा निर्धारित करने के लिए वार्डों के पुनर्गठन का काम शुरू हो गया है। राज्य सरकार ने इस पुनर्निर्माण कार्य को 4 सितम्बर से पहले पूरा करने का कार्यक्रम तय किया था। चुनाव आयोग द्वारा अंतिम रूप से तय वार्ड संरचना 4 सितंबर को प्रकाशित की जानी थी। लेकिन राज्य सरकार ने वार्ड पुनर्गठन कार्यक्रम को 6 अक्टूबर तक बढ़ा दिया है। इसलिए, चुनाव आयोग द्वारा अंतिम रूप से तय वार्ड संरचना अब 6 अक्टूबर तक प्रकाशित की जानी थी। उसके बाद, वार्ड छोड़ने और अन्य चुनाव संबंधी मामलों की प्रक्रिया 20 अक्टूबर तक लगने की संभावना है। इसलिए, नवंबर के पहले सप्ताह में होने वाले मुंबई महानगरपालिका चुनाव एक और महीने के लिए स्थगित होने की संभावना है। इसलिए ऐसा लगता है कि चुनाव दिसंबर के पहले पखवाड़े में होंगे।

इस अनुसूची के अनुसार, मुंबई सहित राज्य में मौजूदा वर्ग सी नगरपालिकाओं की वार्ड संरचना के लिए एक नई अनुसूची तैयार की गई है। इसके अनुसार, एक अगस्त से पांच अगस्त के बीच नगर आयुक्त वार्ड संरचना का मसौदा प्रस्ताव नगर विकास विभाग को सौंपेंगे, जबकि 6 से 11 अगस्त के बीच नगर विकास विभाग यह प्रस्ताव राज्य चुनाव आयोग को सौंपेगा। चुनाव आयोग द्वारा इस ड्राफ्ट वार्ड संरचना को मंजूरी दिए जाने के बाद नगर आयुक्त 22 से 28 अगस्त के बीच ड्राफ्ट वार्ड संरचना पर आपत्तियां और सुझाव आमंत्रित करेंगे। इन आपत्तियों और सुझावों को सुनने के बाद 15 सितंबर तक वार्ड संरचना को अंतिम रूप दिया जाएगा और इसका प्रस्ताव नगर विकास विभाग को भेजा जाएगा। राज्य चुनाव आयोग की मंजूरी से इस वार्ड संरचना को 6 अक्टूबर तक अंतिम रूप दे दिया जाएगा। वर्ग डी नगर पालिकाओं की वार्ड संरचना को 13 अक्टूबर तक अंतिम रूप दे दिया जाएगा। इसके बाद चुनाव कार्यक्रम घोषित किया जाएगा, जिसके बाद आरक्षण निकाला जाएगा। आरक्षण तय होने के बाद मतदाता सूची का प्रकाशन, आपत्तियां प्राप्त करना, चुनाव कार्यक्रम की घोषणा, वार्ड संरचना की घोषणा के बाद वास्तविक चुनाव प्रक्रिया को लागू करने में डेढ़ से दो माह का समय लग सकता है। इसलिए, नगर निगम चुनाव इस नवंबर या दिसंबर में हो सकते हैं।

वार्ड पुनर्गठन कार्यक्रम

- प्रगणक समूह का गठन 11 से 16 जून तक
- 17 से 18 जून तक जनगणना की प्राप्त सूचनाओं की जांच
- साइट निरीक्षण 19 जून 4 जुलाई
- 5 से 20 जुलाई तक गूगल मैप्स पर वार्ड मानचित्र बनाना
- मानचित्र पर चिह्नित वार्ड क्षेत्र का दौरा कर निरीक्षण - 11 से 24 जुलाई
- वार्ड संरचना का प्रारूप तैयार करना 25 से 31 जुलाई तक
- 1 से 5 अगस्त तक शहरी विकास विभाग को वार्ड संरचना का मसौदा प्रस्ताव प्रस्तुत करना
- राज्य निर्वाचन आयोग एवं आयोग द्वारा प्राधिकृत अधिकारी द्वारा वार्ड संरचना के प्रारूप का अनुमोदन 22 से 28 अगस्त तक
- वार्ड संरचना का प्रारूप प्रकाशित करना तथा उस पर आपत्तियां एवं सुझाव आमंत्रित करना - 29 अगस्त से 8 सितम्बर तक
- सरकार द्वारा नियुक्त प्राधिकृत अधिकारी द्वारा प्राप्त आपत्तियों एवं सुझावों पर सुनवाई 9 से 15 सितम्बर तक
- सुनवाई के बाद प्राधिकृत अधिकारी आपत्तियों व सुझावों पर विचार करते हुए अनुशंसाओं के आधार पर वार्ड संरचना को अंतिम रूप देकर 16 से 15 सितंबर तक नगरीय विकास विभाग को प्रस्तुत करें।

बारवी डैम में 50 प्रतिशत पानी भरा

गत वर्ष के मुकाबले दुगुना पानी

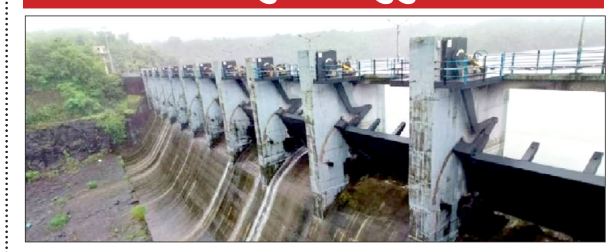

▸▸ **यूसुफ शेख**

अंबरनाथ. ठाणे जिला की प्यास बुझाने वाला बारवी डैम इस वर्ष जून महिने में ही 50 फीसदी भर गया है. गत वर्ष 2024 में 24 जून को 25.36 प्रतिशत पानी था. इस वर्ष डैम के आसपास 999 मि.मीटर बरसात हुई है. पानी का स्टोरेज 167.69 एसीएम है. अभी डैम में 64.91 मीटर पानी है. डैम की ऊंचाई 72.60 मीटर है. ठाणे जिले के अंबरनाथ, उल्हासनगर, कल्याण-डोंबिवली महापालिका, मीरा भायंदर, नवी मुंबई के लाखों लोगों को इस डैम से जलापूर्ति की जाती है.

अगर इसी तरह बारिश होती रही तो इस वर्ष डैम गत वर्ष के मुकाबले जल्द ही ओवरफ्लो हो जाएगा. इस वर्ष मई महिने में ही जोरदार बारिश शुरू हो चुकी थी. इसलिए इस वर्ष डैम में 50 प्रतिशत पानी है. गत वर्ष के मुकाबले में दोगुना पानी है. इस डैम से अंबरनाथ के साथ ठाणे जिले के एमआईडीसी की कई कंपनियों को भी जलापूर्ति की जाती है. शहर पूर्व चिखलोली डैम में गत कुछ दिनों से हो रही जोरदार बारिश के कारण गत वर्ष के मुकाबले इस वर्ष ज्यादा पानी है. इस डैम से शहर पूर्व के लगभग 40 हजार लोगों को जलापूर्ति की जाती है. बारवी डैम शहर से कुछ ही किलोमीटर की दूरी पर है. डैम में भरपूर पानी होने के बाद भी अंबरनाथ और बदलापुर शहर में लोगों को दो-दो दिन पानी नहीं मिलता है. मजीप्रा का सही नियोजन ना होने से लोग पानी के लिए परेशान रहते हैं.

नगर पथ विक्रेता समिति के सदस्यों के चुनाव की घोषणा

अम्बरनाथ. एक ओर जहां इस वर्ष नगर निगम चुनाव होने की संभावना के चलते राजनीतिक गतिविधियां जोर पकड़ रही हैं, वहीं दूसरी ओर नगर परिषद प्रशासन ने नगरपथ वेक्रेता समिति के सदस्यों के चुनाव का कार्यक्रम भी घोषित कर दिया है। इसलिए शहर में चुनावी माहौल शुरू हो गया है। चुनाव में आठ सदस्यों को सामान्य वर्ग के लिए तीन और अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग, अल्पसंख्यक तथा विकलांग एवं दिव्यांग वर्ग के लिए तीन-तीन भागों में विभाजित किया जाएगा।

प्रत्येक श्रेणी के लिए एक सदस्य चुना जाएगा। महिला आरक्षण 27 जून को दोपहर 2 बजे जारी किया जाएगा, जबकि नामांकन पत्रों का वितरण एवं स्वीकृति सोमवार 30 जून से 3 जुलाई तक प्रातः 11 बजे से सायं 5 बजे तक, नामांकन पत्रों की जांच शुक्रवार 4 जुलाई को प्रातः 11 बजे की जाएगी तथा जांच के पश्चात उसी दिन नामांकन पत्रों की सूची प्रकाशित की जाएगी। सोमवार, 7 जुलाई को शाम 5 बजे के बाद नामांकन पत्रों की सूची का प्रकाशन। नामांकन पत्र वापस लेने की अंतिम तिथि भी उसी दिन है।

आपातकाल की गवाही और संघर्ष की कहानी

- **उल्हासनगर में आज एक विशेष प्रदर्शनी का आयोजन**

उल्हासनगरः 25 जून, 1975... इस दिन भारतीय नागरिकों के मौलिक अधिकारों का हनन हुआ था और लोकतंत्र के मूल्य खतरे में पड़ गए थे। आज जब उस घटना की 50वीं वर्षगांठ पूरी हो रही है, तो उस समय की स्मृति को पुनर्जीवित करने और उससे मिली सीख को ध्यान में रखने के लिए देशभर में प्रयास हो रहे हैं। केंद्र सरकार के निर्देशानुसार तथा मुख्यमंत्री के विजन के अनुसार राज्य के सभी जिलों में 'आपातकाल विशेष स्मृति प्रदर्शनी' का आयोजन किया जा रहा है तथा उल्हासनगर महानगरपालिका के माध्यम से 25 जून से शहर में भी यह विशेष प्रदर्शनी आयोजित की जाएगी।

इस विशेष प्रदर्शनी में 1975 से 1977 तक के आपातकाल काल की ऐतिहासिक घटनाओं को दर्शाया जाएगा। उस काल के सामाजिक और राजनीतिक परिणामों तथा लोकतंत्र की रक्षा के लिए लड़ने वाले व्यक्तियों के योगदान को दर्शाया जाएगा। इस पहल का मुख्य उद्देश्य नागरिकों, विशेषकर युवाओं में इतिहास की समझ पैदा करके लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति जागरूकता पैदा करना है। प्रदर्शनी में आपातकाल से संबंधित तस्वीरें, उस समय की समाचार रिपोर्टों के अंश, सरकारी आदेश, जन विरोध, विरोध प्रदर्शनों की तस्वीरें, गिरफ्तार लोगों की कहानियां और केंद्र सरकार द्वारा निर्मित एक लघु फिल्म प्रदर्शित की जाएगी। यह लघु फिल्म www.amritkaal.nic.in वेबसाइट पर उपलब्ध कराई जाएगी, और मनपा ने संबंधित थिएटर मालिकों से अनुरोध किया है कि वे इसे उल्हासनगर शहर के सभी थिएटरों में दिखाएं।

जिला सूचना अधिकारी, उल्हासनगर में आपातकाल के दौरान प्रदर्शनकारियों के फोटो, उनके अनुभव, संघर्ष और घटनाओं को प्रदर्शनी में स्थानीय संदर्भ जोड़ने के लिए शामिल करेंगे। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि इसके लिए ऐतिहासिक जानकारी के साथ-साथ इससे संबंधित मानकीकृत पाठ भी जरूरी है।

आयुक्त का निर्णय सकारात्मक

1975 का आपातकाल भारत की लोकतांत्रिक यात्रा में एक बहुत ही चौंकाने वाला, किन्तु शिक्षाप्रद चरण था। आज की युवा पीढ़ी के लिए यह समझना जरूरी है कि उस समय लोगों ने किस साहस और धैर्य के साथ परिस्थितियों का सामना किया था। उल्हासनगर में आयोजित होने वाली यह विशेष प्रदर्शनी न केवल इतिहास की झलक होगी, बल्कि लोकतांत्रिक मूल्यों की याद दिलाने वाला दर्पण भी होगी। इस प्रदर्शनी में नागरिकों की भागीदारी महत्वपूर्ण है, और आइए हम अपने क्षेत्र के संघर्षशील लोगों की स्मृतियों को संरक्षित करके उनके कार्यों का सम्मान करें।

- मनीषा अव्हाले, आयुक्त, उल्हासनगर महानगरपालिका

उल्हासनगर मनपा ने अनाधिकृत निर्माणों के खिलाफ कार्रवाई की

उल्हासनगर. उल्हासनगर महानगरपालिका के प्रभाग समिति क्रमांक 2 के अंतर्गत आने वाले आजाद नगर क्षेत्र में बर्फ फैक्ट्री के पास बनी अवैध झोपड़पट्टियों पर उल्हासनगर महानगरपालिका ने कार्रवाई की है। इसमें शेष तीन गालों पर कार्रवाई करते हुए उन्हें पूरी तरह से जमींदोज कर दिया गया है।

उल्हासनगर कैंप दो के आजाद नगर इलाके में बर्फ फैक्ट्री के पास 10 से अधिक अवैध निर्माण किए गए थे। इस मामले में मनपा ने पहले सभी भूस्वामियों को नोटिस जारी कर अवैध निर्माण हटाने के निर्देश दिए थे। इसके बाद सात गालों के खिलाफ तत्काल कार्रवाई की गई, लेकिन शेष तीन गालों के पास सामग्री होने के कारण कुछ दिन का समय दिया गया।

सहायक आयुक्त गणेश शिम्पी के नेतृत्व में अतिक्रमण विभाग की टीम ने भारी सुरक्षा के साथ यह कार्रवाई की। इस दौरान कोई अप्रिय घटना न घटे, यह सुनिश्चित करने के लिए पुलिस बल तैनात किया गया था। मनपा प्रशासन ने स्पष्ट कर दिया है कि शहर में अवैध निर्माणों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

प्रधानमंत्री मोदी के समर्पित 11 वर्षों को जन-जन तक पहुंचाएं

- **उल्हासनगर में भाजपा गट नेता प्रवीण दरेकर ने किया आह्वान**

उल्हासनगर. मनपा और स्थानीय स्वराज्य संस्था के चुनाव आने वाले हैं। केंद्र और राज्य सरकारों के कामों को जनता तक पहुंचाना हमारी जिम्मेदारी है। भाजपा विधान परिषद दल के नेता प्रवीण दरेकर ने अपील की है कि हम भी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा देश को समर्पित 11 वर्षों को समर्पण की भावना के साथ लोगों तक पहुंचाएं।

प्रधानमंत्री मोदी की सरकार के 11 वर्ष पूरे होने के अवसर पर उल्हासनगर में आयोजित एक समारोह में प्रवीण दरेकर मुख्य अतिथि थे। स्थानीय विधायक कुमार आयलानी, भाजपा जिला अध्यक्ष राजेश वधारिया, विनोद गोवानी, प्रशांत पाटिल, प्रदीप भालचंदानी, प्रकाश माखीजा सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद थे। उल्हासनगर के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं से घर-घर जाकर प्रधानमंत्री मोदी के प्रभावशाली भाषणों को पत्रक और सोशल मीडिया के माध्यम से लोगों तक पहुंचाने की अपील करते हुए दरेकर ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने पंडित दीनदयाल द्वारा हमें दिए गए मंत्र, समाज के अंतिम तबके के लिए काम करने के अनुरूप गरीबों के कल्याण के लिए 11 साल दिए हैं।

विकास भी, विरासत भी

'विकास भी, विरासत भी' के फॉर्मूले पर चलते हुए मोदी सरकार ने काशी विश्वनाथ कॉरिडोर, महाकाल प्रोजेक्ट और राम मंदिर का निर्माण कराया। डॉ. अंबेडकर से संबंधित पांच स्थानों को पंचतीर्थ के रूप में विकसित किया गया। नारी शक्ति अभियान के माध्यम से लोकसभा और विधानसभा में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण दिया गया है। ऑपरेशन सिंदूर चलाया गया और इसमें महिला अधिकारी भी थीं।

अंबरनाथ की पूर्व नगराध्यक्षा पूर्णिमा कबरे का निधन

अंबरनाथ. अंबरनाथ की पूर्व नगराध्यक्षा पूर्णिमा कबरे का निधन हो गया है. वह कुछ दिनों से बीमार चल रही थी. उनकी आयु (64) वर्ष थी. वह भाजपा की सक्रिय कार्यकर्ता थीं. सन 1997 में कबरे मैडम अंबरनाथ नपा की नगराध्यक्षा थीं. उस समय उन्होंने अंबरनाथ में महाराष्ट्र के 228 नगरपालिका के मुख्याधिकारी एवं नगराध्यक्षों का सम्मेलन आयोजित किया था. जिसे उस समय के मुख्यमंत्री नारायण राणे ने संबोधित किया था. पूर्णिमा कबरे का काकोले गांव में कमलधाम वृद्धाश्रम है, जिसकी वह संचालिका थीं. गत कुछ दिनों से उनका उपचार मुंबई के एक अस्पताल में चल रहा था. मंगलवार सुबह 4 बजे उन्होंने अंतिम सांस ली. शाम में उनका अंतिम संस्कार शिवाजी नगर श्मशान भूमि शहर पूर्व में हुआ. विधायक डॉ. बालाजी किणीकर, पूर्व नगराध्यक्ष सुनिल चौधरी, पूर्व उप नगराध्यक्ष अब्दुल शेख, प्रज्ञा बनसोडे, सुभाष सालुंखे, सलील झवेरी, सुजाता भोईर, किसन तारमले, सदाशिव पाटिल, हिरालाल गुप्ता, पूर्व नगरसेवक, पत्रकार, भाजपा के पदाधिकारी, कार्यकर्ता उपस्थित थे.

डोंबिवली, कल्याण, अंबरनाथ में छात्रों का अवैध परिवहन

- **आरटीओ ने 121 वाहनों के खिलाफ कार्रवाई की**

कल्याण. उप-क्षेत्रीय परिवहन विभाग से किसी भी अनुमति के बिना अपने वाहनों में छात्रों को स्कूल ले जाने वाले वाहनों के खिलाफ पिछले चार दिनों से आक्रामक कार्रवाई की जा रही है. इस अभियान में उपक्षेत्रीय परिवहन विभाग के कल्याण विभाग के उपक्षेत्रीय परिवहन अधिकारी आशुतोष बड़कुल के मार्गदर्शन में गठित टीमों द्वारा विभिन्न प्रकार के 121 वाहन चालकों पर जुर्माना लगाया गया तथा इन वाहनों को जब्त किया गया।

अवैध रूप से विद्यार्थियों को स्कूल ले जाने वाले वाहनों पर शिकंजा कसने के लिए उप क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी आशुतोष बरकुल ने पिछले चार दिनों से मोटर वाहन निरीक्षक प्रशांत देवने, अभिजीत मांजरे, अमित नलावड़े, सुप्रिया गावड़े, पूनम मोरे, अजीत येरेने और मोहित मकवान की विशेष निरीक्षण टीमें गठित की हैं। पिछले चार दिनों से ये टीमें कल्याण, डोंबिवली, टिटवाला, अंबरनाथ, मलंग रोड, पलावा, शिलफाटा, कटाई, बदलापुर रोड क्षेत्रों में स्कूल के पहले सेमेस्टर के सुबह के सत्र में छात्रों को ले जाने वाले वाहनों का निरीक्षण कर रही हैं।

इस निरीक्षण के दौरान, छात्रों को ले जाने वाले बसों, ओमनी वाहनों और बंद जीपों सहित कुल 121 वाहनों के पास छात्रों को ले जाने के लिए उप-क्षेत्रीय परिवहन विभाग से अनुमति नहीं थी। प्राधिकारियों ने ऐसे सभी अवैध वाहन मालिकों के खिलाफ कार्रवाई की है। उप प्रादेशिक परिवहन अधिकारी बड़कुल ने बताया कि यह कार्रवाई मोटर वाहन

वाहनों में ठूंस कर भरे जा रहे विद्यार्थी

महाराष्ट्र मोटर वाहन अधिनियम के अनुसार, यदि किसी वाहन का उपयोग विद्यार्थियों को स्कूल छोड़ने के लिए किया जाना है, तो संबंधित वाहन मालिक को उप-क्षेत्रीय परिवहन विभाग से ऐसे परमिट के लिए आवश्यक प्रक्रियाएं पूरी करनी होंगी। कल्याण उप-क्षेत्रीय परिवहन क्षेत्र के डोंबिवली, कल्याण, अंबरनाथ, टिटवाला, पलावा, शिलफाटा के 27 गांवों की सीमा में कई वाहन मालिक उप-क्षेत्रीय परिवहन विभाग से आवश्यक अनुमति के बिना अवैध वाहनों में छात्रों को परिवहन कर रहे थे। उप-क्षेत्रीय परिवहन विभाग को शिकायतें मिली थीं कि इन वाहनों के चालक अत्यधिक गति से वाहन चला रहे थे तथा वाहन में सामान्य संख्या से अधिक छात्र बैठे थे। निरीक्षण अधिकारियों के ध्यान में एक चौंकाने वाली घटना आई जिसमें 20 से 25 छात्रों को एक वाहन में ठूंस कर ले जाया जा रहा था।

> "ऐसी शिकायतें मिली थीं कि कल्याण उप-क्षेत्रीय परिवहन क्षेत्र में कई वाहन मालिक अवैध रूप से छात्रों का परिवहन कर रहे थे। ऐसे वाहनों के लिए निरीक्षण अभियान शुरू किया गया है। 121 वाहनों के विरुद्ध जुर्माने की कार्रवाई की गई है। यह कार्रवाई प्रत्येक सुबह और दोपहर के सत्र में जारी रहेगी।
>
> **-आशुतोष बरकुल,** उप क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी, कल्याण

54 इमारतों के निवासियों पर फिर लटकी तलवार

- **कल्याण-डोंबिवली RERA घोटाला**
- **कडोंमपा ने फिर जारी किए नोटिस**
- **निवासियों की आंखों में आंसू**

कल्याण. मनपा प्रशासन ने फिर से डोंबिवली में 54 इमारतों को नोटिस जारी करना शुरू कर दिया है। निवासियों की आंखों में आंसू हैं, उन्हें चिंता है कि बेघर होने के डर से उनकी जिंदगी खतरे में पड़ जाएगी। मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस ने विधानसभा में कहा था कि 65 इमारतों के नागरिकों को बेघर नहीं होने दिया जाएगा। हालाँकि, नगरपालिका के नोटिस ने निवासियों को असमंजस में डाल दिया है कि अब क्या करें। शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) ने सरकार के साथ संघर्ष शुरू कर दिया है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि निवासी बेघर न हों। 65 इमारतों के निवासियों ने मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री से उन्हें राहत दिलाने की मांग की है। कल्याण डोंबिवली मनपा ने 65 में से 54 इमारतों को फिर से नोटिस भेजा है। इस नोटिस में चेतावनी दी गई है कि इमारत को जल्द से जल्द खाली कर दिया जाए अन्यथा पुलिस बल का प्रयोग करके इसे खाली कराया जाएगा। इसलिए, इन इमारतों में रहने वाले हजारों निवासियों के बेघर होने का खतरा है। 17 नवंबर को अदालत ने इन इमारतों को खाली करने का आदेश दिया। इस आदेश के मद्देनजर केडीएमसी ने इन 65 इमारतों को नोटिस भेजकर इमारतें खाली करने और कार्रवाई करने को कहा था।

मुख्यमंत्री को अपने वादे पर कायम रहें

निवासी प्रणव पाटिल और रोहन गामरे ने कहा कि मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को अपने वादे पर कायम रहना चाहिए और इन नागरिकों को राहत प्रदान करनी चाहिए। कल्याण जिला प्रमुख दीपेश म्हात्रे ने कहा कि मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने विधानसभा में 65 इमारतों के निवासियों को जो आश्वासन दिया है, उस पर मुख्यमंत्री को कायम रहना चाहिए।

बिल्डर की लापरवाही से गिरी सोसायटी की दीवार

- **दीवार गिरने से 10 वाहनों और पेड़ को नुकसान**
- **कोलसेवाड़ी पुलिस में बिल्डर के विरुद्ध शिकायत दर्ज**

कल्याण. कल्याण पूर्व की एक रिहायशी सोसायटी में बिल्डर को लापरवाही भारी पड़ गई है। पास में ही निर्माणाधीन एक इमारत का कचरा और निर्माण सामग्री (रेत, ईंट आदि) लगातार सोसायटी की दीवार के पास रखी जा रही थी, जिसकी वजह से दीवार पहले से ही झुक रही थी। निवासियों ने इस बारे में कई बार बिल्डर को सूचित किया, लेकिन उसने हर बार शिकायतों को नजरअंदाज किया। आखिरकार सोमवार देर रात करीब 2 बजे सोसायटी की दीवार गिर गई, जिससे वहां खड़े करीब 10 दोपहिया वाहन, एक कार और एक पेड़ को बड़ा नुकसान पहुंचा। इस घटना से सोसायटी के निवासी नाराज हैं और उन्होंने कोलसेवाड़ी पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई है। निवासियों ने लापरवाही से निर्माण कराने वाले बिल्डर के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है।

जैसे पके हुए फलों को गिरने के सिवा कोई भय नहीं वैसे ही पैदा हुए मनुष्य को मृत्यु के सिवा कोई भय नहीं. – वाल्मीकि

उल्हास विकास लोकप्रिय हिंदी दैनिक

संपादकीय

बच्चों के खिलाफ यौन हिंसा के मामले बढ़े

बच्चों के खिलाफ हिंसा न केवल शारीरिक, बल्कि मानसिक और भावनात्मक रूप से भी उन्हें चोट पहुंचाती है। बाद में उनके वयस्क जीवन में भी इसके प्रतिकूल परिणाम देखने को मिलते हैं। कानूनन सभी बच्चों को हिंसा, शोषण और दुर्व्यवहार से सुरक्षित रहने का अधिकार है। मगर, दुनिया भर में तमाम सामाजिक-आर्थिक पृष्ठभूमि और विभिन्न धर्मों व समुदायों के लाखों बच्चे हर दिन हिंसा, शोषण और दुर्व्यवहार का शिकार होते हैं।

इस संबंध में संयुक्त राष्ट्र की एक नई रपट ने चिंता बढ़ा दी है, जिसमें कहा गया है कि पिछले वर्ष दुनिया भर में संघर्षों के दौरान बच्चों के खिलाफ हिंसा व अन्य अपराध अभूतपूर्व स्तर पर पहुंच गए। वर्ष 2023 की अपेक्षा 2024 में बच्चों और किशोरों के खिलाफ हिंसा के मामलों में पच्चीस फीसद बढ़ोतरी हुई है। संयुक्त राष्ट्र की इस रपट को इसलिए भी गंभीरता से लेने की जरूरत है, क्योंकि बच्चों के खिलाफ अपराध कम होने के बजाय साल-दर-साल बढ़ रहे हैं।

संयुक्त राष्ट्र ने संघर्षरत राष्ट्रों में बच्चों के खिलाफ 41,370 आपराधिक मामलों की पुष्टि की है, इनमें से 36,221 मामले वर्ष 2024 में सामने आए हैं और 5,149 मामले पहले के थे, जिन्हें पिछले साल सत्यापित किया गया। इसके अलावा 'द लैंसेट जर्नल' की एक हालिया रपट के मुताबिक, 1990 से 2023 के बीच दुनिया के 200 से ज्यादा देशों में बच्चों के खिलाफ यौन हिंसा के मामले बढ़े हैं। इसमें गौर करने वाली बात यह भी है कि सामान्य मामलों में बहुत से लोग पुलिस के पास अपने बच्चों के खिलाफ हिंसा, शोषण और दुर्व्यवहार की शिकायत दर्ज कराने में हिचकिचाते हैं। जाहिर है कि वास्तविक मामलों की संख्या सत्यापित आंकड़ों से कहीं ज्यादा हो सकती है। दरअसल, सरकारों, नीति निर्माताओं और यूनिसेफ जैसे संगठनों पर बच्चों के लिए सुरक्षित वातावरण बनाने की जिम्मेदारी है और उन्हें अपने प्रयासों का गंभीरता से आकलन करना होगा। इसके अलावा धार्मिक और सामाजिक संगठनों से भी सहयोग की उम्मीद की जाती है। बच्चों में व्यक्तिगत सुरक्षा को बढ़ावा देना, बाल संरक्षण नीतियों को कड़ाई से लागू करना और अभिभावकों को जागरूक करने पर भी प्रमुखता से ध्यान देने की जरूरत है।

आपातकाल : जब जेल जैसा बन गया था देश

आज से 50 वर्ष पहले देश पर थोपा गया आपातकाल एक ऐसा कालखंड है, जो गांधी, नेहरू, पटेल आदि के परिश्रम से बनी कांग्रेस की नेता इंदिरा गांधी के पदमोह का शिकार बना। उन्होंने तानाशाही, ज्यादती, निरंकुशता के बलबूते लोकतंत्र एवं स्वाधीनता पर बेरहमी से प्रहार किया। यह राजनीतिक अपराध था।

इंदिरा गांधी की ओर से थोपे गए आपातकाल के अध्याय की शुरुआत 12 जून को इलाहाबाद हाई कोर्ट के जज जगमोहन लाल सिन्हा के निर्णय से प्रारंभ होती है। 1971 के लोकसभा चुनावों में रायबरेली में इंदिरा का मुकाबला विपक्षी समाजवादी नेता राजनारायण से था। इंदिरा गांधी विजयी होती हैं, पर राजनारायण उनकी जीत को अदालत में चुनौती देते हैं।

उन्होंने उन पर अपने निजी सचिव एवं सरकारी अधिकारी यशपाल कपूर को चुनाव एजेंट बनाने, स्वामी अद्वैतानंद को 50 हजार रुपये घूस देकर निर्दलीय प्रत्याशी बनाने, वायुसेना विमानों का इस्तेमाल करने, चुनाव में डीएम और एसपी की अनुचित मदद लेने, वोटरों को शराब, कंबल बांटने आदि आरोप लगाए। जस्टिस सिन्हा ने श्रीमती गांधी का चुनाव रद कर छह वर्ष के लिए चुनाव लड़ने पर प्रतिबंध लगाया। उनके फैसले को प्रभावित करने की कोशिश की गई थी और उन्हें पदोन्नति का भी प्रलोभन दिया गया था। वे टस से मस नहीं हुए।

हाई कोर्ट के फैसले के बाद नैतिकता का तकाजा था कि इंदिरा इस्तीफा देकर सुप्रीम कोर्ट के

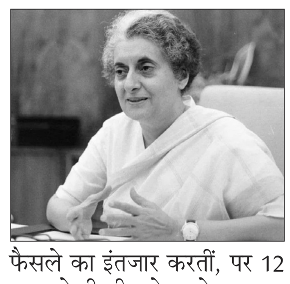

फैसले का इंतजार करतीं, पर 12 जून को ही भीड़ ने उनके आवास के समक्ष जस्टिस सिन्हा को सीआइए एजेंट बताकर नारेबाजी की। तब गुजरात और बिहार में कांग्रेस सरकारों के खिलाफ जारी आंदोलन को जेपी दिशा दे रहे थे। इलाहाबाद हाई कोर्ट का निर्णय आने पर इंदिरा के त्यागपत्र की मांग लेकर विपक्षी दल लामबंद होने लगे और 25 जून को रामलीला मैदान, दिल्ली में सभा रखी गई। यह सभा 20 को होनी थी, पर जेपी के दिल्ली आने के पहले ही यहां आने वाली उड़ानें अचानक रद कर दी गईं।

अंततः सभा 25 जून को हुई। मैं लोकदल के प्रतिनिधि के रूप में वहां था। मंच का संचालन जनसंघ, जो बाद में भाजपा बनी, नेता मदनलाल खुराना कर रहे थे। जेपी ने इंदिरा सरकार को अवैध बताया और उनके इस्तीफे की मांग की तथा सरकारी कर्मियों एवं पुलिस वालों को 'असंवैधानिक सरकार' के आदेश न मानने को कहा। उन दिनों इंदिरा के बेटे संजय गांधी की सक्रियता बढ़ गई थी। वे आरके धवन, चौधरी बंसीलाल आदि से मिलकर विरोधियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई पर जोर दे रहे थे। कांग्रेस में एक गुट का नेतृत्व युवा नेता चंद्रशेखर कर रहे थे, जो जेपी से संवाद के समर्थक थे। उनके प्रयासों से जेपी की दो मुलाकातें श्रीमती गांधी से हुईं, पर वे बेनतीजा रहीं।

इंदिरा प्रेस के स्वतंत्र रुख से खफा थीं। 25 जून को रात 11:45 पर आपातकाल की घोषणा वाले अध्यादेश पर राष्ट्रपति फखरुद्दीन के हस्ताक्षर कराए गए और अगली सुबह 6 बजे कैबिनेट की आपात बैठक बुलाकर उस पर मुहर लगाई गई। इंदिरा ने सुबह रेडियो संदेश दिया, 'भाइयों और बहनों, राष्ट्रपति जी ने आपातकाल की घोषणा की है। इससे आतंकित होने की जरूरत नहीं है...।' विपक्षी नेताओं की गिरफ्तारी का सिलसिला 25 जून की मध्यरात्रि से कायम हो गया था। इन नेताओं की लिस्ट संजय गांधी और साथियों ने बनाई। तब अदालतों को भी निर्देश था कि बंदियों को जमानत न दी जाए।

आपातकाल के तहत अदालत जाने के अधिकार के साथ नागरिकों के कई मौलिक अधिकार निलंबित कर दिए गए थे। 25 जून की रात या फिर अगले दिन गिरफ्तार होने वालों में जेपी, मोरारजी देसाई, चौधरी चरण सिंह, अटल बिहारी वाजपेयी, लालकृष्ण आडवाणी, बीजू पटनायक, पीलू मोदी और राजनारायण आदि थे। यह सिलसिला कायम रहा। दिल्ली से प्रकाशित होने वाले अखबारों के कार्यालयों की बिजली काट दी गई। 26 जून को दिल्ली से केवल वही अखबार दिखे, जिनके प्रेस बहादुरशाह जफर मार्ग पर नहीं थे। तमाम लोग 26 जून के बजाय 27 जून को जान पाए कि आपातकाल लग गया है। आपातकाल में सेंसरशिप के चलते कई संपादक-पत्रकार भी गिरफ्तार हुए और सरकार विरोधी समाचार छपने बंद हो गए।

ध्यानाभ्यास सीखने से हम ऐसे द्वार में प्रवेश कर जाते हैं जो हमें अंतर में आनंद, प्रकाश, और प्रेम से भरपूर मंडलों में ले जाता है।

- संत राजिन्दर सिंह जी महाराज

स्थान - सावन कृपाल रूहानी मिशन, सावन आश्रम, परम संत कृपाल सिंह जी महाराज चौक, खेमानी रोड, उल्हासनगर-२

देखें सत्संग आस्था चैनल पर हर रोज़ सोम - शनि सुबह ८.२० से ८.४० तक

इजराइल-ईरान युद्ध में क्या रहा हासिल?

इजराइल-ईरान युद्ध के बीच अमेरिका के कूदने से दुनिया के सामने विकट स्थितियां पैदा हो गई हैं। ईरान ने पहले ही घोषणा कर दी थी कि अगर अमेरिका ने इस जंग में दखल दिया, तो न केवल उसको, बल्कि पूरी दुनिया को इसके खतरनाक नतीजे भुगतने पड़ेंगे। यमन के हूती विद्रोहियों ने भी कह दिया था कि वे लाल सागर में हमले तेज कर देंगे। शुरू में अमेरिका की कोशिश थी कि किसी तरह यह युद्ध रुक जाए, पर अब उसने खुद इजराइल की तरफ से ईरान पर हमला कर दिया है। उसने अपने बंकरभेदी बमवर्षकों से ईरान के तीन परमाणु ठिकानों पर बम बरसाए। इससे ईरान ने जवाबी कार्रवाइयां करनी शुरू कर दी हैं।

यह युद्ध क्या शक्ल अख्तियार करेगा, यह देखने की बात है। पर ईरान ने तत्काल होर्मुज जलडमरुमध्य को बंद करने का फैसला किया है, उसी से दुनिया के अनेक देशों के सामने बड़ा संकट खड़ा हो गया है। इस जलडमरुमध्य के रास्ते दुनिया के करीब तीस फीसद कच्चे तेल का आयात होता है। जाहिर है, यह रास्ता बंद हो जाने से तेल के जहाजों को दूसरे लंबे रास्तों से होकर गुजरना पड़ेगा, जिसका असर कच्चे तेल की कीमत पर पड़ेगा। इससे महंगाई और बढ़ जाएगी।

ईरान के इस फैसले से भारत की

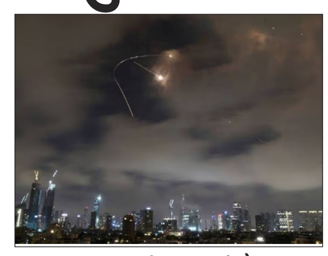

चिंता इसलिए भी बढ़ गई है कि यह अपनी ऊर्जा जरूरतों का करीब सत्तर फीसद तेल आयात करता है। इसके अलावा, होर्मुज जलडमरुमध्य के रास्ते पश्चिम एशियाई देशों के साथ बड़ी मात्रा में इसका आयात-निर्यात होता है। इन देशों के साथ भारत का निर्यात कुल 8.6 अरब डालर का और आयात 33.1 अरब डालर का होता है। इस रास्ते के बंद होने से इस व्यापार पर बहुत बुरा असर पड़ेगा।

अमेरिकी हमले के विरोध में हूती हमलों में तेजी आई

लाल सागर में हूती विद्रोहियों के हमले के चलते भारतीय व्यापारियों को पहले ही आयात-निर्यात में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है, अमेरिकी हमले के विरोध में हूती हमलों में तेजी आई, तो यह संकट और गहरा हो जाएगा। भारत पहले ही अपना निर्यात बढ़ाने को लेकर चिंतित है। तमाम कोशिशों के बावजूद महंगाई पर काबू पाना चुनौती है। विनिर्माण क्षेत्र और देश के आठ प्रमुख औद्योगिक क्षेत्र मंदी की मार झेल रहे हैं। ऐसे में अगर कच्चे तेल की कीमतों में बढ़ोतरी होती है और मध्य पश्चिमी देशों के साथ व्यापार में अवरोध पैदा होता है, तो भारत की अर्थव्यवस्था को बड़ी चोट पहुंच सकती है।

अमेरिकी हमले के बाद अभी दुनिया दम साधे इंतजार कर रही है कि ईरान इसका जवाब किस रूप में देता है। ईरान किसी भी रूप में झुकने को तैयार नहीं है। रूस सहित दुनिया के कई देशों ने ईरान पर अमेरिकी हमले की निंदा की है। खुद अमेरिका में इसे लेकर विरोध शुरू हो गया है, इसलिए कि राष्ट्रपति ट्रंप ने इस हमले में तय प्रक्रिया और नियम-कायदों का पालन नहीं किया। फिर यह भी कि अमेरिका या इजराइल के पास इस बात के पुख्ता सबूत नहीं हैं कि ईरान ने परमाणु हथियार बनाने की तैयारी में था।

अमेरिका की खुफिया एजंसी ने भी साफ कह दिया था कि ईरान परमाणु हथियार नहीं बना रहा था। इस स्थिति में अगर कुछ देश ईरान के समर्थन में खुले रूप में आगे आते हैं, तो युद्ध और विकराल रूप ले सकता है। वैसी स्थिति में दुनिया के सामने खड़ी होने वाली आर्थिक चुनौतियों का अंदाजा लगाया जा सकता है।

सड़क के बीचों बीच लगी डीपी बनी चर्चा का विषय

मध्य प्रदेश में वैसे तो कई अजूबे देखने को मिलते हैं, लेकिन इस बार एक ऐसा मामला सामने आया है, जिसे देखकर हर किसी की आंखें खुली

जरा हट के

की खुली रह जाती हैं. जी हां, हम बात कर रहे हैं खंडवा के एक ऐसे हिस्से की, जहां एक ट्रांसफॉर्मर यानी डीपी सड़क के ठीक बीचों-बीच खड़ा है. खंडवा के आदर्श नगर इलाके में इस ट्रांसफॉर्मर को देखकर लोग हैरान रह जाते हैं कि आखिर किस योजना के तहत इसे सड़क के बीच में लगाया गया? आमतौर पर ट्रांसफॉर्मर

गली, मोहल्ले या सड़क के किनारे लगाए जाते हैं ताकि यातायात प्रभावित न हो, लेकिन इस इलाके में स्थिति बिल्कुल उल्टी है. स्थानीय लोग बताते हैं कि जब इस कॉलोनी में सड़क बनाई जा रही थी, तब इस डीपी को हटाने पर ध्यान नहीं दिया गया. बाद में सड़क चौड़ी कर दी गई, पर ट्रांसफॉर्मर अपनी जगह पर ही खड़ा रह गया. इसके चलते आज यहां एक असामान्य दृश्य देखने को मिलता है. एक डीपी, जो सड़क के ठीक बीच में लगी हुई है. इस स्थिति को देखकर ऐसा लगता है जैसे विकास के काम में योजना का अभाव था. नगर निगम और बिजली विभाग दोनों की जिम्मेदारी होती है कि सार्वजनिक स्थानों पर इस तरह के अवरोध न हों, ताकि लोगों को परेशानी से बचाया जा सके. यहां रहने वाले लोग इस ट्रांसफॉर्मर से लंबे समय से परेशान हैं. उनका कहना है कि इस डीपी के कारण बच्चों, बुजुर्गों और अन्य राहगीरों के लिए खतरा बना रहता है. छोटी गलती से कोई बड़ा हादसा हो सकता है, खासकर तब जब भारी वाहन इस रास्ते से गुजरते हैं. अंधेरे में तो हालात और भी खराब हो जाते हैं, कुछ लोग तो इस डीपी को देखकर हंसते भी हैं कि खंडवा में सड़क के बीचो-बीच ट्रांसफॉर्मर लगे होने का नजारा अपने आप में एक अजूबा है. अंत में, इतना ही कहा जा सकता है कि इस डीपी को देखकर लोग इसे एमपी का आठवां अजूबा कहने लगे हैं, लेकिन जरूरत है कि जल्द से जल्द इस समस्या पर ध्यान दिया जाए ताकि लोगों की परेशानी खत्म हो सके और यातायात सुरक्षित रूप से चल सके।

कटहल की सब्जी

खाना-खजाना

सामग्री :

- कटहल – 500 ग्राम
- सरसों का तेल – 3-4 टेबलस्पून
- हींग – 1 चुटकी
- जीरा – 1/2 चम्मच
- अदरक-लहसुन का पेस्ट – 1 टेबलस्पून
- टमाटर – 2
- हल्दी पाउडर – 1/2 चम्मच
- लाल मिर्च पाउडर – 1 चम्मच
- धनिया पाउडर – 1 चम्मच
- गरम मसाला – 1/2 चम्मच
- नमक
- हरा धनिया

विधि

इस सब्जी को बनाने के लिए सबसे पहले आपको कटहल को छोटे-छोटे टुकड़ों में काट लेना है। इसके बाद कुकर में डालकर एक दो सीटी लगाएं। ताकि ये थोड़ा पक जाए। यदि आप कटहल को उबालकर बनाएंगी तो ये ज्यादा अच्छा बनेगा। जब ये उबल जाए तो उसे पानी में से निकालकर अलग रख दें और सूखने दें।

अब बारी आती है इसका मसाला तैयार करने की तो सबसे पहले एक कढ़ाही में सरसों का तेल गरम करें जब तक वो धुआं छोड़ने लगे। तेल के गर्म होने के बाद इसमें इसमें हींग और जीरा डालें। जब जीरा भुन जाए तो अदरक-लहसुन पेस्ट डालकर 1-2 मिनट भूनें।

इसके बाद अब इसमें टमाटर डालें, साथ में हल्दी, धनिया, मिर्च और नमक डालें। मसाले को तब तक भूनें जब तक तेल न छोड़ने लगे। जब मसाले तेल छोड़ दें तो फिर उसमें उबले कटहल को डालें।

उबला हुआ कटहल डालकर मसालों में अच्छी तरह मिला लें।

इसे अब आपको तब तक पकाना है, जब तक ये सुनहरा न हो जाए। 19 मिनट तक इसे पकाएं और इसे बीच-बीच में चलाते रहें। सबसे आखिर में इसमें गरम मसाला डालकर इसे मिक्स करें। अब जब ये पूरी तरह से पक जाए तो इसमें हरा धनिया डालें। अब ये परोसने के लिए तैयार है। इसे रोटी, पराठा और चावल के साथ परोसा जा सकता है।

चीनी छोड़ने के 7 दिन में शरीर में होने वाले बदलाव और फायदे

आज की आधुनिक जीवनशैली में चीनी का अत्यधिक सेवन एक बड़ी समस्या बन चुका है। हमारी डाइट में मिठाइयों, सोडे, प्रोसेस्ड फूड्स और यहां तक कि सॉस जैसी चीजों में छिपी हुई चीनी जानें-अनजाने में हमारे स्वास्थ्य को गंभीर नुकसान पहुंचा रही है। यही वजह है कि चीनी खाने से मधुमेह, मोटापा, हृदय रोग और लगातार थकान जैसी समस्याओं का जोखिम बढ़ जाता है। ऐसे में, शुगर डिटॉक्स एक ऐसी प्रक्रिया है जिसमें आहार से अतिरिक्त चीनी को हटाकर शरीर को 'रीसेट' किया जाता है। यह न केवल आपके शारीरिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाता है, बल्कि मानसिक स्वास्थ्य और ऐनर्जी लेवल को भी बढ़ाता है। इसलिए आइए इस लेख में जानते हैं कि सात दिन का शुगर डिटॉक्स करने से शरीर में क्या-क्या बदलाव होते हैं?

शुगर डिटॉक्स क्या है?

शुगर डिटॉक्स का मतलब है रिफाइंड और कृत्रिम चीनी (जैसे मिठाई, केक, कोल्ड ड्रिंक्स) को पूरी तरह छोड़ना और प्राकृतिक चीनी (जैसे फल) को सीमित मात्रा में लेना। इसमें पैकेज्ड फूड्स में छिपी चीनी, जैसे हाई फ्रक्टोज कॉर्न सिरप, से भी बचना होता है। डिटॉक्स का उद्देश्य शरीर को चीनी की लत से मुक्त करना और रक्त शर्करा के स्तर को स्थिर करना है। यह प्रक्रिया पाचन, त्वचा और मस्तिष्क के लिए लाभकारी है।

शुगर डिटॉक्स कैसे करें?

शुगर डिटॉक्स शुरू करने के लिए कुछ आसान कदम उठाए जा सकते हैं। सबसे पहले, पैकेज्ड फूड्स के लेबल पढ़ें और उनमें छिपी चीनी की पहचान करें। चीनी की जगह शहद या गुड़ जैसे प्राकृतिक विकल्प सीमित मात्रा में लें। दिन में 8-10 गिलास पानी पीकर शरीर को हाइड्रेट रखें। फाइबर युक्त खाद्य पदार्थ, जैसे हरी सब्जियां, साबुत अनाज और प्रोटीन, चीनी की लालसा को कम करते हैं। रोज 30 मिनट व्यायाम और 7-8 घंटे की नींद तनाव और भूख को नियंत्रित करने में मदद करती है।

7 दिन में होने वाले बदलाव

एक्सपर्ट्स के मुताबिक पहले दो दिन चीनी की लालसा और हल्का सिरदर्द हो सकता है, क्योंकि शरीर चीनी की आदत छोड़ रहा होता है। तीसरे-चौथे दिन एनर्जी लेवल बढ़ता है, थकान और सुस्ती कम होती है, और पाचन में सुधार होता है। पांचवें-छठे दिन त्वचा में निखार आता है, क्योंकि चीनी से होने वाली सूजन और मुंहासे कम होते हैं। एकाग्रता और मूड में भी सुधार होता है। सातवें दिन शरीर हल्का और ऊर्जावान महसूस होता है, ब्लड शुगर स्थिर होने लगता है, और नींद की गुणवत्ता बेहतर होती है।

दीर्घकालिक फायदे

शुगर डिटॉक्स के दीर्घकालिक लाभ प्रभावशाली हैं। यह वजन नियंत्रण में मदद करता है, क्योंकि चीनी कम करने से कैलोरी की मात्रा घटती है। ब्लड शुगर का स्थिर स्तर टाइप-2 मधुमेह का जोखिम कम करता है। इससे हृदय स्वास्थ्य बेहतर होता है, क्योंकि रिफाइंड चीनी कोलेस्ट्रॉल और ब्लड प्रेशर को बढ़ाती है। इसके अलावा, त्वचा की उम्र बढ़ने और तनाव जैसी समस्याएं कम होती हैं, जिससे मानसिक स्वास्थ्य में सुधार होता है।

आज का राशिफल

मेष : आज रुका धन मिलेगा। मन की चंचलता पर नियंत्रण रखें। कानूनी अड़चन दूर होकर स्थिति अनुकूल रहेगी। जीवनसाथी पर आपसी मेहरबानी रहेगी। जल्दबाजी में धनहानि हो सकती है। व्यवसाय में वृद्धि होगी। नौकरी में सुकून रहेगा। निवेश लाभप्रद रहेगा। कार्य बनेंगे। घर-बाहर सुख-शांति बने रहेंगे।

वृषभ : स्थायी संपत्ति की खरीद-फरोख्त से बड़ा लाभ हो सकता है। प्रतिद्वंद्विता रहेगी। पार्टनरों का सहयोग समय पर मिलने से प्रसन्नता रहेगी। नौकरी में मातहतों का सहयोग मिलेगा। व्यवसाय ठीक-ठीक चलेगा। आय में वृद्धि होगी। चोट व रोग से बाधा संभव है। दूसरों के काम में दखलंदाजी न करें।

मिथुन : पार्टी व पिकनिक की योजना बनेगी। मित्रों के साथ समय अच्छा व्यतीत होगा। स्वादिष्ट भोजन का आनंद मिलेगा। बौद्धिक कार्य सफल रहेंगे। किसी प्रबुद्ध व्यक्ति का मार्गदर्शन प्राप्त होगा। नौकरी में अनुकूलता रहेगी। वाणी पर नियंत्रण रखें। शत्रु सक्रिय रहेंगे। जीवनसाथी के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी।

कर्क : घर-बाहर अशांति रहेगी। कार्य में रुकावट होगी। आय में कमी तथा नौकरी में कार्यभार रहेगा। बेवजह लोगों से कहासुनी हो सकती है। दु:खद समाचार मिलने से नकारात्मकता बढ़ेगी। व्यवसाय से संतुष्टि नहीं रहेगी। पार्टनरों से मतभेद हो सकते हैं। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। जल्दबाज न करें।

सिंह : प्रयास सफल रहेंगे। किसी बड़े कार्य की समस्याएं दूर होंगी। मित्रों का सहयोग कर पाएंगे। कर्ज में कमी होगी। संतुष्टि रहेगी। सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। व्यापार मनोनुकूल चलेगा। अपना प्रभाव बढ़ा पाएंगे। नौकरी में अनुकूलता रहेगी। निवेश शुभ रहेगा। जोखिम व जमानत के कार्य न करें।

कन्या : दूर से शुभ समाचार प्राप्त होंगे। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। नौकरी में सहकर्मी साथ देंगे। व्यवसाय में जल्दबाजी से काम न करें। चोट व दुर्घटना से बचें। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। घर-बाहर स्थिति मनोनुकूल रहेगी। प्रसन्नता का वातावरण रहेगा। वस्तुएं संभालकर रखें।

तुला : उत्तेजना पर नियंत्रण रखें। जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। अप्रत्याशित लाभ के योग हैं। भाग्य का साथ मिलेगा। व्यवसाय ठीक चलेगा। नौकरी में अधिकार बढ़ सकते हैं। जुए, सट्टे व लॉटरी के चक्कर में न पड़ें। निवेश शुभ रहेगा। प्रमाद न करें।

वृश्चिक : अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। व्यवस्था नहीं होने से परेशानी रहेगी। व्यवसाय में कमी होगी। नौकरी में नोकझोंक हो सकती है। पार्टनरों से मतभेद हो सकते हैं। थकान महसूस होगी। अपेक्षित कार्यों में विघ्न आएंगे। चिंता तथा तनाव रहेंगे। आय में निश्चितता रहेगी।

धनु : अज्ञात भय व चिंता रहेंगे। यात्रा सफल रहेगी। नेत्र पीड़ा हो सकती है। लेन-देन में सावधानी रखें। बगैर मांगे किसी को सलाह न दें। बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। व्यावसायिक यात्रा मनोनुकूल रहेगी। धनार्जन होगा। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे।

मकर : नई योजना बनेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। सामजिक कार्य करने की इच्छा जागृत होगी। प्रतिष्ठा वृद्धि होगी। सुख के साधन जुटेंगे। नौकरी में वर्चस्व स्थापित होगा। आय के स्रोत बढ़ सकते हैं। व्यवसाय लाभप्रद रहेगा। निवेश शुभ रहेगा। घर-बाहर सहयोग व प्रसन्नता में वृद्धि होगी।

कुंभ : रुका धन मिलेगा। पूजा-पाठ व सत्संग में मन लगेगा। आत्मशांति रहेगी। कोर्ट व कचहरी के कार्य अनुकूल रहेंगे। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। प्रसन्नता का वातावरण रहेगा। मातहतों का सहयोग मिलेगा। किसी सामाजिक कार्यक्रम में भाग लेने का अवसर प्राप्त हो सकता है। दूसरे के काम में दखल न दें।

मीन : क्रोध व उत्तेजना पर नियंत्रण रखें। विवाद को बढ़ावा न दें। पुराना रोग बाधा का कारण रहेगा। स्वास्थ्य पर खर्च होगा। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में लापरवाही न करें। छोटी सी गलती से समस्या बढ़ सकती है। व्यवसाय ठीक चलेगा। मित्र व संबंधी सहायता करेंगे। आय बनी रहेगी। जोखिम न लें।

–ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

लिवर में जमा फैट निकल जाएगा बाहर

डॉक्टर सरीन ने बताए 5 आसान तरीके, आप भी आजमाएं

डॉक्टर सरीन के अनुसार फैटी लिवर को रिवर्स करने के लिए सबसे जरूरी है कि आप अपने खान-पान पर कंट्रोल करें. लिवर में जमा फैट को कम करने के लिए कैलोरी का सेवन कम करना चाहिए. ज्यादा फैट और शुगर से भरपूर फूड्स से दूर रहना चाहिए. फास्ट फूड, बर्गर, फ्रेंच फ्राइज जैसी चीजें लिवर में फैट जमा कर देती हैं. इन फूड्स से परहेज करें. इसके बजाय ताजा फल, हरी सब्जियां, साबुत अनाज और प्रोटीन से भरपूर फूड्स का सेवन करना चाहिए. अच्छा खाना न केवल लिवर को स्वस्थ रखता है, बल्कि एक्स्ट्रा फैट को भी बाहर निकाल सकता है. फैटी लिवर से निजात पाने के लिए हेल्दी डाइट लें.

लिवर के सबसे मशहूर डॉक्टर का कहना है कि सप्ताह में एक या दो दिन का उपवास करने से शरीर के अंदर जमा गंदगी बाहर निकलने लगती है, जिससे लिवर पर दबाव कम होता है और उसका कामकाज बेहतर होता है. यह लिवर में जमा फैट को बर्न करने का एक प्राकृतिक तरीका है. हालांकि उपवास के दौरान यह ध्यान रखना जरूरी है कि शरीर में पर्याप्त पानी और पोषक तत्व उपलब्ध रहें. इस प्रक्रिया को धीरे-धीरे शुरू करें और ध्यान रखें कि शरीर को नुकसान न पहुंचे. व्रत लिवर को डिटॉक्सिफाई करने में मदद करता है. सप्ताह में एक दिन व्रत रखने से ओवरऑल हेल्थ भी बूस्ट हो सकती है.

एक्सरसाइज भी लिवर में फैट को कम करने का एक आसान तरीका है. रोज 30-40 मिनट तक कार्डियो वर्कआउट जैसे- दौड़ना, तैराकी या जॉगिंग लिवर के लिए फायदेमंद है. इससे शरीर में रक्त संचार बेहतर होता है और लिवर को ऑक्सीजन और पोषक तत्व बेहतर तरीके से मिलते हैं. रोज व्यायाम करने से शरीर में चर्बी कम होती है, जो लिवर में जमा हो सकती है. इसके अलावा अल्कोहल और धूम्रपान लिवर को गंभीर नुकसान पहुंचा सकते हैं. लिवर में जमा फैट को निकालने के लिए शराब और सिगरेट से पूरी तरह से दूर बना लेनी चाहिए. शराब लिवर में फैट जमा करने का प्रमुख कारण है, जबकि धूम्रपान लिवर के कामकाज को प्रभावित करता है. अगर आप लिवर में जमा फैट को कम करना चाहते हैं, तो शराब और धूम्रपान से बचें.

लिवर के स्वास्थ्य के लिए पानी का सेवन अत्यधिक महत्वपूर्ण है. डॉक्टर सरीन के अनुसार रोजाना पर्याप्त मात्रा में पानी पीने से लिवर के टॉक्सिन्स बाहर निकल जाते हैं. इससे लिवर की प्राकृतिक डिटॉक्स प्रक्रिया तेज हो जाती है. एक दिन में कम से कम 8-10 गिलास पानी पीना चाहिए. यह शरीर को हाइड्रेटेड रखता है और लिवर को हेल्दी रखता है. एंटीऑक्सिडेंट्स से भरपूर आहार लिवर को स्वस्थ रखने के लिए बहुत फायदेमंद होता है. अंगूर, नींबू, संतरा, गाजर और पालक लिवर के लिए सबसे अच्छे माने जाते हैं.

बिना केमिकल ऐसे करें बर्तन की सफाई

पहाड़ी क्षेत्रों में रसोई में काम करने के लिए सामान्यतः लकड़ी, उपले या पत्तों का उपयोग किया जाता है, जिससे कड़ाही और तवे पर चिपकी हुई चिकनाई और कालिख के निशान अक्सर जमा हो जाते हैं. इन कड़ाही की सफाई के लिए पारंपरिक मिट्टी का उपयोग एक असरदार तरीका है. पहाड़ों में बर्तन साफ़ करने के लिए अक्सर चिकनी मिट्टी का उपयोग किया जाता है, जो प्राकृतिक रूप से बर्तन की सतह पर जमी गंदगी और चिकनाई को हटा देती है. यह मिट्टी आसानी से कड़ाही की सतह पर रगड़ी जा सकती है और इसके जरिए बर्तन की परत को नुकसान भी नहीं होता. सबसे पहले इस मिट्टी को गीला किया जाता है और फिर इसे कड़ाही या तवे पर अच्छे से रगड़ा जाता है. इस प्रक्रिया से चिकनाई और कालिख दोनों हट जाते हैं.

सही मिट्टी का करें इस्तेमाल

चिकनी मिट्टी की खासियत यह है कि यह न केवल सफाई करती है, बल्कि बर्तन को खराब भी नहीं करती. पहाड़ी क्षेत्रों में यह मिट्टी अक्सर नदी किनारे या पहाड़ी इलाकों में पाई जाती है. यह प्राकृतिक रूप से स्क्रब का काम करती है और बर्तन की सतह को नुकसान पहुंचाए बिना सफाई करती है. मिट्टी में मौजूद छोटे कण बर्तन पर जमी गंदगी को आसानी से हटा देते हैं और यह बर्तन को एक नया रूप देती है. कई लोग मिट्टी का उपयोग पानी के साथ मिलाकर करते हैं. इस मिश्रण को बर्तन की सतह पर रगड़ने से जमा हुआ तेल, ग्रीस और कालिख आसानी से हट जाते हैं. मिट्टी का पानी में घुलना एक प्रकार के प्राकृतिक सक्रिय स्क्रबर का काम करता है, जिससे कढ़ाही की चमक और स्थिति बरकरार रहती है.

लेख में दी गई समस्त जानकारियां और सूचनाएं सामान्य मान्यताओं पर आधारित हैं. 'उल्हास विकास' इनकी पुष्टि नहीं करता है. इन पर अमल करने से पहले संबंधित विशेषज्ञ से संपर्क करें.

खबरें गांव की...

बेड पर पड़ा मिला ठेकेदार का गला कटा शव

लखनऊ. लखनऊ से एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। जहां गुडंबा अर्जुन एनक्लेव में मंगलवार सुबह ठेकेदार की गला रेत कर हत्या कर दी गई। शव कमरे में पड़ा मिला था। दोपहर में ठेकेदार से मिलने के लिए परिचित युवती आई थी। कई बार दस्तक देने पर गेट नहीं खुला। ऐसे में युवती ने दूसरी चाभी से दरवाजा खोला। मकान में दाखिल होने पर ठेकेदार का शव बेड पर पड़ा मिला। एसीपी गाजीपुर अनिद्य विक्रम सिंह ने बताया कि सुलतानपुर भरखरे के रहनेवाले 45 साल के उमाशंकर सिंह अर्जुन एनक्लेव-2 में किराए पर रहते थे। अपार्टमेंट की पहली मंजिल पर उनका फ्लैट था। मंगलवार दोपहर पुलिस को एक युवती ने फोन कर उमाशंकर सिंह का शव कमरे में पड़ा होने की सूचना दी।

यूपी में महिला साधु की डंडे से पीट-पीटकर हत्या

हाथरस. हाथरस जिले में कोतवाली हाथरस जंक्शन क्षेत्र के मेंडू स्थित भैरव मंदिर के निकट झोपड़ी में वृद्ध महिला साधु का शव मिला। बताया है कि उसके साथ झोपड़ी में रहने वाले दूसरे साधु ने उसकी डंडे से पीट-पीटकर हत्या कर दी और घटना को अंजाम देने के बाद आरोपी मौके से फरार हो गया। कोतवाली सिकंदराराऊ क्षेत्र के बरगांव निवासी 70 वर्षीय रेखा देवी पत्नी अमर सिंह वर्ष 2005-06 में साधु बन गई थीं। बताया जा रहा है कि तभी से वह मेंडू स्थित भैरव मंदिर के निकट एक झोपड़ी में रहती थी। उनके साथ नेम सिंह उर्फ फौजी नाम का दूसरा साधु भी रहता था। आरोप है कि नेम सिंह अक्सर रेखा देवी के साथ मारपीट करता था। सोमवार मंगलवार की रात को भी उसने महिला साधु के साथ डंडे से मारपीट की। जिससे उनकी मौत हो गई। घटना को अंजाम देने के बाद आरोपी मौके से फरार हो गया। सुबह लोगों ने महिला साधु को झोपड़ी में मृत हालत में देखा तो इस बात की सूचना पुलिस को दी गई। सूचना के बाद पुलिस मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने स्थानी लोगों से पूछताछ के दौरान पूरे मामले की जानकारी ली और फिर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम हाउस भेज दिया। वहीं घटना की जानकारी पुलिस ने सिकंदराराऊ क्षेत्र के बर गांव निवासी मृतका के परिवार के लोगों को भी दे दी।

5 शादियों से भी नहीं भरा मन तो देवर के साथ रहने लगी महिला; पांचवें पति ने पुलिस से लगाई गुहार

फतेहपुर. फतेहपुर जिले की ये कहानी आपको हैरान कर देगी। यहां राधा नगर थाना क्षेत्र के एक युवक ने अपनी पत्नी पर पांच शादियां करने और अब अपने ही देवर के साथ संबंध रखने का आरोप लगाया है। पीड़ित का कहना है कि पांच शादियों के बाद भी उसकी पत्नी का मन नहीं भरा। उसने अपने देवर के साथ भी संबंध बना लिए। यही नहीं उसके (पति के) माता-पिता को घर से निकाल भी दिया है। परेशान पति ने थाने में शिकायत कर न्याय की गुहार लगाई है। पुलिस ने शिकायती पत्र के आधार पर जांच शुरू कर दी है। पीड़ित युवक पंकज अग्रहरी सब्जी विक्रेता है। उसने बताया कि उसकी शादी 16 अप्रैल 2024 को बांदा जिले के मरका थाना क्षेत्र की रहने वाली एक महिला से हुई थी। शादी के कुछ महीनों बाद ही पत्नी का व्यवहार बदल गया। पंकज ने आरोप लगाया कि उसकी पत्नी पहले से चार शादियां कर चुकी है। जिसमे से तीन शादी उसने फतेहपुर में ही की है और वह उसका पांचवा पति है। पंकज ने कहा, पत्नी ने शादी को व्यापार बना लिया है। वह शादी करके सामान हड़पती है और फिर किसी और के साथ चली जाती है। यह उसका तरीका बन गया है।

1 जुलाई से ट्रेन का सफर होगा महंगा!

- **AC और नॉन-AC टिकट की कीमत बढ़ाने की तैयारी में रेलवे**

नई दिल्ली. अगर आप ट्रेन से सफर करते हैं तो आपके लिए बड़ी खबर है। अगले महीने से रेल यात्रियों को बड़ा झटका लगने वाला है। दरअसल, भारतीय रेलवे ट्रेन के किराए में बढ़ोतरी करने जा रहा है। खबर है कि भारतीय रेलवे कई सालों बाद पहली बार यात्री ट्रेन के किराए में बढ़ोतरी करने जा रहा है। किराए में मामूली बढ़ोतरी 1 जुलाई, 2025 से लागू होगी।

नॉन-एसी मेल/एक्सप्रेस ट्रेनों के टिकट दाम

द इकोनॉमिक टाइम्स ने सूत्रों के हवाले से बताया कि नॉन-AC मेल/एक्सप्रेस ट्रेनों के लिए यात्री किराए में 1 पैसे प्रति किलोमीटर की बढ़ोतरी की जाएगी। AC क्लास के लिए, किराए में 2 पैसे प्रति किलोमीटर की बढ़ोतरी होगी। बता दें कि 500 किलोमीटर की यात्रा के लिए उपनगरीय टिकट और सेकंड क्लास की यात्रा के किराए में कोई बढ़ोतरी नहीं होगी। 500 किलोमीटर से अधिक दूरी के लिए, वृद्धि आधा पैसा प्रति किलोमीटर होगी। इसके अलावा, मासिक सीजन टिकट में भी कोई बढ़ोतरी नहीं होगी।

तत्काल टिकट की बुकिंग में बड़ा बदलाव

बता दें कि ऑनलाइन तत्काल टिकट सिस्टम में लंबे समय से चल रही धांधली को देखते हुए हाल ही में रेलवे ने तत्काल टिकट की बुकिंग प्रक्रिया में बड़ा बदलाव किया है। 1 जुलाई से तत्काल टिकट बुकिंग के लिए आधार आधारित ओटीपी वेरिफिकेशन अनिवार्य होगा। 1 जुलाई, 2025 से तत्काल ट्रेन टिकट बुकिंग के लिए आधार सर्किफिकेशन अनिवार्य कर दिया गया है। 10 जून, 2025 को जारी एक निर्देश के जरिए रेल मंत्रालय ने सभी रेलवे जोन को सूचित किया है कि इस नई आवश्यकता का उद्देश्य 'यह सुनिश्चित करना है कि तत्काल योजना का लाभ आम अंतिम उपयोगकर्ताओं तक को मिले।' बता दें कि सरकार का यह नियम ऑनलाइन बुकिंग, रिजर्वेशन काउंटर और एजेंट्स के जरिए से की जाने वाली बुकिंग पर लागू होगा। इसका मकसद आम लोगों को कन्फर्म तत्काल टिकट आसानी से मुहैया कराना है।

1 जुलाई से लागू होने वाले संशोधित किराए...

- उपनगरीय किराए में कोई वृद्धि नहीं होगी।
- मासिक सीजन टिकट की कीमतें अपरिवर्तित रहेंगी।
- सेकंड क्लास में 500 किलोमीटर तक की दूरी के लिए किराया नहीं बढ़ाया जाएगा।
- सेकंड क्लास में 500 किलोमीटर से अधिक की दूरी के लिए, किराया प्रति किलोमीटर आधा पैसा बढ़ जाएगा।
- मेल और एक्सप्रेस (नॉन-AC) ट्रेनों में किराया 1 पैसे प्रति किलोमीटर बढ़ जाएगा।
- AC क्लास में किराया 2 पैसे प्रति किलोमीटर बढ़ जाएगा।

आज लॉन्च हो सकता है एक्सियम-4 मिशन

बेंगलुरु. भारतीय अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला का अंतरिक्ष मिशन Axiom-4 25 जून को लॉन्च हो सकता है। भारतीय समयानुसार दोपहर 12.01 बजे इसकी लॉन्चिंग संभव है। अगर ये तय वक्त पर लॉन्च होता है, तो इसकी डॉकिंग 26 जून को शाम 4:30 बजे होगी। इसकी जानकारी मंगलवार को NASA ने दी।

फॉल्कन 9 रॉकेट पर लॉन्च करने के बाद क्रू को एक नए स्पेसएक्स ड्रैगन स्पेसक्राफ्ट से इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन पर भेजा जाएगा। एक्सियम मिशन 4 (Ax-4) में चार देशों के चार एस्ट्रोनॉट 14 दिन के लिए स्पेस स्टेशन जाने वाले हैं।

शुभांशु ISS पर जाने वाले पहले और स्पेस में जाने वाले दूसरे भारतीय होंगे। इससे पहले राकेश शर्मा ने 1984 में सोवियत यूनियन के स्पेसक्राफ्ट से अंतरिक्ष यात्रा की थी।

NEET टेस्ट में कम नंबर आने पर बेटी की हत्या

- **पिता स्कूल प्रिंसिपल, डंडों से पीटा**

धोंडीराम भोसले | साधना भोसले

सांगली. महाराष्ट्र के सांगली में एक पिता ने NEET मॉक टेस्ट में कम नंबर आने पर बेटी की हत्या कर दी। 17 साल की साधना भोंसले के प्रैक्टिस टेस्ट में कम नंबर आए थे। इससे नाराज होकर पिता ने उसे डंडे से पीटा।

साधना के सिर पर गंभीर चोटें आईं। उसे सांगली के उषाकल हॉस्पिटल में भर्ती करवाया गया। जहां इलाज के दौरान शुक्रवार को उसकी मौत हो गई। साधना के 10वीं बोर्ड एग्जाम में 92.60% अंक आए थे। वह एक साल से मेडिकल एंट्रेंस टेस्ट NEET की तैयारी कर रही थी। आरोपी पिता धोंडीराम भोंसले स्कूल प्रिंसिपल हैं।

मां की शिकायत पर केस दर्ज, आरोपी गिरफ्तार

पुलिस के बताया कि लड़की की मां ने 22 जून को पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई थी। इसमें कहा गया कि उसके पति ने कम नंबर आने पर पीट-पीटकर बेटी की हत्या कर दी। आरोपी पिता को गिरफ्तार कर लिया गया है। उसने बेटी को पीटने की बात भी मान ली है। फिलहाल आरोपी 24 जून तक पुलिस हिरासत में है।

ईरान से मुस्लिम देश कतर ही हुआ खफा

- **राजदूत को समन**
- **हमले पर मांग ली सफाई**

ईरान-इजरायल के बीच चल रही जंग के 12वें दिन अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दोनों पक्षों के बीच भले ही सीजफार का ऐलान कर दिया हो लेकिन इजरायल पर ईरानी मिसाइल हमले जारी हैं। इस बीच, इस्लामिक मुल्क कतर ने ईरान पर नाराजगी जाहिर की है। कतर ने दोहा में ईरानी राजदूत को तलब किया है और सोमवार को दोहा में अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर मिसाइल हमले पर जवाब मांगा है।

कतर के विदेश मंत्रालय ने कहा है कि उसने ईरान के राजदूत अली अबादी को तलब किया है और इस बात पर जवाब मांगा है कि सोमवार को अमेरिकी सैन्य अड्डों पर किए गए हमले अंतरराष्ट्रीय कानून और कतर की संप्रभुता और हवाई क्षेत्र का उल्लंघन है। कतर के विदेश मंत्रालय ने मंगलवार को कहा कि अंतरराष्ट्रीय कानून के अनुसार दोहा के पास यह अधिकार है कि वह ईरान से अल उदीद एयरबेस पर हुए हमले के मामले में सवाल-जवाब कर सके। बड़ी बात यह है कि ईरान ने ये हमले तब किए, जब कतर PMO ईरान और इजरायल के बीच युद्धविराम कराने के लिए अमेरिका के साथ मिलकर मध्यस्थता कर रहा था।

हमला अच्छे पड़ोसी के सिद्धांत के खिलाफ

कतर के विदेश मंत्रालय ने एक प्रेस बयान जारी कर कहा है कि दोहा ने इस हमले को अपनी संप्रभुता, हवाई क्षेत्र और संयुक्त राष्ट्र चार्टर का घोर उल्लंघन माना है और अंतरराष्ट्रीय कानून के अनुसार उचित तरीके से जवाब मांगने का अधिकार रखता है। कतर के विदेश राज्य मंत्री सुल्तान अल-मुरैखी ने ईरानी राजदूत को सूचित करते हुए कहा कि यह हमला अच्छे पड़ोसी के सिद्धांत और दोनों देशों के घनिष्ठ संबंधों के खिलाफ है।

- **अल-उदीद एयरबेस बड़ा सैन्य अड्डा**

बता दें कि ईरान ने अपने परमाणु ठिकानों पर अमेरिकी हमलों के जवाब में कतर और इराक में अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर सोमवार की रात मिसाइलें दागीं थीं। ईरान की सरकारी मीडिया ने कहा कि ईरान ने अमेरिकी हमलों का कड़ा जवाब देने के लिए ये हमले किए हैं। ईरान की अर्ध सरकारी समाचार एजेंसी तस्नीम की रिपोर्ट के अनुसार ईरान के रिवोल्यूशनरी गार्ड ने कतर और इराक में अमेरिकी ठिकानों पर मिसाइलें दागीं थीं।

किसके काम से बिना बताए विदेश गए राहुल गांधी?

- **भाजपा के आरोपों पर कांग्रेस ने बताई हकीकत**

नई दिल्ली. राहुल गांधी आखिर बार-बार विदेश क्यों जाते हैं। इन सीक्रेट दौरों की वह किसी को जानकारी भी क्यों नहीं देते? ऐसे सभी सवालों के जवाब कांग्रेस ने राहुल गांधी के हालिया दौरे पर उठे सवाल को लेकर दिए हैं। कांग्रेस का कहना है कि राहुल गांधी लंदन गए हैं। वह अपनी भांजी मिराया वाड्रा की ग्रैजुएशन सेरेमनी में हिस्सा लेने गए हैं। मिराया लंदन के एक कॉलेज से ग्रैजुएशन कर रही हैं। कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने भाजपा के आरोपों पर कहा, 'पीएमओ हमेशा की तरह डर्टी ट्रिक्स में जुट गया है। वह जानता कुछ नहीं है। राहुल गांधी अपनी भांजी की ग्रैजुएशन सेरेमनी में हिस्सा लेने के लिए लंदन गए हैं

और जल्दी ही वापस लौटेंगे।'

दरअसल भाजपा के आईटी सेल के प्रमुख अमित मालवीय ने एक ट्वीट करके सवाल उठाए थे। उन्होंने लिखा था, 'बीते सप्ताह ही राहुल गांधी एक सीक्रेट विदेश दौरे पर गए थे। अब वह एक बार फिर से किसी सीक्रेट लोकेशन के लिए रवाना हो गए हैं। आखिर वह इतनी जल्दी-जल्दी अचानक से गायब क्यों हो जाते हैं। आखिर वह अपने देश में क्यों नहीं रुकते हैं। नेता विपक्ष के तौर पर उन्हें देश के लोगों की बातों की जानकारी देनी चाहिए।' सोशल मीडिया पर ऐसी चर्चाएं भी हो रही थीं कि राहुल गांधी बहरीन गए हैं। अब आरोपों ने तेजी पकड़ी तो कांग्रेस का जवाब आया है।

इस पर कांग्रेस ने जवाब दिया है और कहा कि राहुल गांधी जिस फ्लाइट से गए हैं, वह बहरीन होते हुए लंदन गई है। ऐसे में इस तरह का दुष्प्रचार करना गलत है कि वह बहरीन गए थे। गौरतलब है कि भाजपा की ओर से अकसर राहुल गांधी की विदेश यात्राओं को लेकर सवाल उठाए जाते रहे हैं। यही नहीं सोशल मीडिया पर भी अकसर यह मुद्दा बनता रहा है। बता दें कि प्रियंका गांधी की बेटी लंदन में पढ़ रही है और उसकी इच्छा पर ही राहुल गांधी ने ग्रैजुएशन सेरेमनी में शामिल होने का फैसला लिया है। ऐसे में फैमिली से जुड़े मामले पर भाजपा के सवालों पर कांग्रेस भड़क गई है।

संस्कृत थोपने की साजिश हिंदी सिर्फ मुखौटा -स्टालिन

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने मंगलवार को केंद्र की भाजपा सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा है कि भारतीय जनता पार्टी का असली मकसद संस्कृत थोपना है और हिंदी महज एक मुखौटा है। स्टालिन ने हिंदुस्तान टाइम्स की एक रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा है संस्कृत भाषा के प्रचार के लिए करोड़ों रुपए खर्च किए जाते हैं जबकि तमिल और अन्य दक्षिण भारतीय भाषाओं को कुछ नहीं मिलता है।

गौरलतब है कि हिंदुस्तान टाइम्स की एक रिपोर्ट में हाल ही में दायर किए गए एक RTI का हवाला देते हुए यह खुलासा किया गया कि केंद्र सरकार ने 2014-15 और 2024-25 के बीच संस्कृत के प्रचार-प्रसार पर करीब 2500 करोड़ रुपए खर्च किए हैं। वहीं दूसरे पांच शास्त्रीय भारतीय भाषाओं, तमिल, तेलुगु, कन्नड़, मलयालम और ओडिया पर करीब 147 करोड़ रुपए ही खर्च किए गए हैं। ऐसे में संस्कृत पर 17 गुना अधिक पैसे खर्च किए गए हैं।

रिपोर्ट को सोशल मीडिया

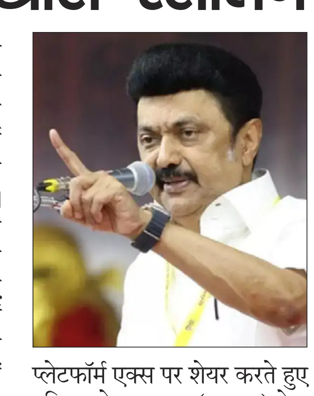

प्लेटफॉर्म एक्स पर शेयर करते हुए द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (DMK) नेता ने लिखा, 'संस्कृत को करोड़ों रुपए मिलते हैं, तमिल और अन्य दक्षिण भारतीय भाषाओं को मगरमच्छ के आंसू के अलावा कुछ नहीं मिलता।'

इससे पहले मार्च में भी स्टालिन ने केंद्र सरकार पर ऐसे ही आरोप लगाए थे। स्टालिन ने कहा था, 'हम हिंदी थोपे जाने का विरोध करेंगे। हिंदी मुखौटा है, संस्कृत छिपा हुआ चेहरा है।' बता दें कि तमिलनाडु सरकार राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) के तहत तीन-भाषा फॉर्मूले को अनिवार्य बनाने का विरोध कर रही है।

11 राज्यों में ब्लास्ट की धमकियां भेजने वाली लड़की अरेस्ट

- **बॉयफ्रेंड को फंसाने की रची थी साजिश**
- **साइबर टूल्स व सोशल इंजीनियरिंग में एक्सपर्ट थी आरोपी**

अहमदाबाद. अहमदाबाद की साइबर क्राइम यूनिट ने देश के 11 राज्यों में बम ब्लास्ट की धमकियां देने वाली लड़की को चेन्नई से अरेस्ट किया है। आरोपी रेनी जोशील्डा के लेकर टीम अहमदाबाद आ रही है। शुरुआती पूछताछ में रेनी ने कबूल किया है कि उसने अपने प्रेमी को फंसाने के लिए देश के अलग-अलग राज्यों में बम धमकी वाले ईमेल भेजे थे। इन मेल में गुजरात के नरेंद्र मोदी

स्टेडियम में ब्लास्ट की धमकी भी शामिल थी।

मंगलवार को गुजरात हाईकोर्ट को भी बम से उड़ाने की धमकी भरा मेल आया है। यहां चौंकाने वाली बात यह है कि मेल उसी ईमेल आईडी से आया है, जिससे रेनी धमकियां भरे ईमेल भेजा करती थी। जांच टीम का कहना है कि ये रेनी का शेड्यूल ईमेल हो सकता है। साइबर क्राइम ब्रांच के एक अधिकारी ने बताया कि इस मेल को लेकर रेनी से पूछताछ की जाएगी कि ईमेल शेड्यूल था या फिर उसकी साजिश में कोई और भी शामिल है।

बॉयफ्रेंड को फंसाने के लिए रची थी साजिश

चेन्नई में रहने वाली रेनी जोशील्डा रोबोटिक्स में ग्रेजुएट है और डेलॉइट में सीनियर कंसल्टेंट के तौर पर काम करती है। रेनी अपने ऑफिस में काम करने वाले एक युवक से प्रेम करती थी। लेकिन, इसी साल युवक ने किसी दूसरी लड़की से शादी कर ली। इसी बात से बौखलाई रेनी ने उसे फंसाने के लिए इस साजिश को अंजाम दिया।

बाइक में फंसा हाईटेंशन का तार, 3 जिंदा जले

बालाघाट. बालाघाट में बिजली की हाईटेंशन लाइन की चपेट में आने से तीन लोग जिंदा जल गए। हादसा लांजी थाना इलाके में मंगलवार सुबह करीब 8.30 बजे हुआ। तीनों एक ही परिवार के सदस्य थे और बाइक से देवलगांव के दुर्गा मंदिर जा रहे थे।

मृतकों की पहचान सर्रा निवासी सेवकराम पांचे (30), उनकी पत्नी रेणुका पांचे (28) और भाई भोजराज पांचे (28) के रूप में हुई है। पूर्व सरपंच का कहना

है कि शव करीब एक घंटे तक जलते रहे।

एसडीएम कमल चंद्र सिंहसार ने बताया- हाईटेंशन लाइन के ऊपर पेड़ की एक डाली गिर गई। इससे तार टूटकर सड़क पर आ गया। इसी दौरान मंदिर जा रहे लोगों की बाइक उसमें उलझ गई। बिजली चालू होने की वजह से बाइक ने आग पकड़ ली। बाइक सवार तीनों लोगों को संभलने का भी मौका नहीं मिला। उनकी मौके पर ही मौत हो गई।

हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस, बिजली कंपनी का अमला और लांजी विधायक राजकुमार कर्राहे मौके पर पहुंचे। तीनों शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए लांजी सिविल अस्पताल पहुंचाया।

ओडिशा में 2 युवकों का आधा सिर मूंडा, घास खिलाई

- **गो-तस्करी के शक में पीटा**
- **FIR दर्ज, 9 हिरासत में**

ओडिशा के गंजाम जिले में गो-तस्करी के शक में दो दलित युवकों को बुरी तरह पीटा गया। उनका आधा सिर मुंडवाया गया। उन्हें घुटनों के बल रेंगने, घास खाने और नाली का पानी पीने के लिए मजबूर किया गया। घटना का वीडियो

सोशल मीडिया पर वायरल है। घटना 22 जून को खारिगुमा गांव में हुई। पुलिस ने अगले दिन यानी 23 जून को यह जानकारी दी।

पुलिस के मुताबिक, सिंगीपुर गांव के रहने वाले बबुला नायक और बुलु नायक हरिऔर इलाके से दो गाय और एक बछड़ा अपने गांव ले जा रहे थे। खारिगुमा गांव में गो-रक्षकों ने उन्हें रोका।

उनसे 30 हजार रुपए मांगे। मना करने पर पीटा। सैलून ले जाकर आधा सिर मुंडवाया। उन्हें एक किमी तक घुटनों के बल रेंगने पर मजबूर किया। दोनों लोगों को घास खिलाई और नाली का पानी पिलाया गया।

आरोपियों के खिलाफ धारकोट थाने में FIR दर्ज कराई गई है। अब तक 9 लोगों को हिरासत में लिया गया है, बाकियों की तलाश जारी है। गंजाम SP सुवेंदु कुमार पात्र ने पुष्टि की है कि जांच चल रही है। दोनों पीड़ितों का इलाज धारकोट सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में करवाया गया। शुरुआती जांच में यह भी सामने आया कि हमलावरों का मकसद गो-संरक्षण नहीं, बल्कि जबरन वसूली था।

बाघ ने 14 साल के किशोर की ली जान

लखीमपुर खीरी. कुकरा के रहने वाले मोहनलाल का 14 वर्षीय बेटा प्रदीप कुमार गर्मी कम होने पर जानवरों के लिए घास काटने कस्बे से कुछ दूर गोला रेंज में खेतों पर गया था। यहां बाघ ने उस पर हमला कर घायल कर दिया था। ग्रामीणों का कहना है कि सूचना देने के बाद भी गोला वन रेंज की तरफ से कोई नहीं पहुंचा जबकि मैलानी वन रेंज के कई कर्मचारी रत्नापुर पहुंचे लेकिन उन्होंने गोला का क्षेत्र बताकर अपने हाथ खड़े कर लिए थे।

पूर्व क्रिकेटर दिलीप दोशी का निधन

भारत के पूर्व स्पिनर दिलीप दोशी का सोमवार को लंदन में दिल का दौरा पड़ने के कारण निधन हो गया। वह 77 साल के थे। दिलीप दोशी के परिवार में पत्नी कालिंदी, बेटा नयन, और बेटी विशाखा है। दोशी उन नौ भारतीय क्रिकेटरों में से एक थे जिन्होंने अपने पहले टेस्ट मैच में पांच विकेट लिए।

टेस्ट में लिए हैं 114 विकेट

बाएं हाथ के स्पिनर दिलीप ने भारत के लिए कुल 33 टेस्ट मैच खेले और 114 विकेट अपने नाम किए। इसमें छह बार पांच विकेट हॉल भी उन्होंने लिए थे। भारत के लिए खेले 15 वनडे मैचों में उन्होंने 22 विकेट लिए। दिलीप ने सौराष्ट्र और बंगाल के लिए फर्स्ट क्लास क्रिकेट खेली। उन्होंने इंग्लैंड की वार्विकशर और नॉटिंघमशर के लिए भी क्रिकेट खेला।

32 साल की उम्र में किया डेब्यू

दोशी ने 32 साल की उम्र में भारत के लिए डेब्यू किया था। उन्होंने 80 के दशक में चुपचाप से क्रिकेट को अलविदा कह दिया था क्योंकि वह उस समय भारतीय क्रिकेट के संचालन से नाराज थे। उन्होंने अपनी ऑटोबायोग्राफी भी लिखी है जिसका नाम 'स्पिन पंच' हैं। साल 1981 में मेलबर्न में खेले गए टेस्ट मैच में दिलीप ने भारत को जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई थी।

ICC ने ऋषभ पंत को लगाई फटकार

टीम इंडिया के उप कप्तान ऋषभ पंत को इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (ICC) ने फटकार लगाई है। साथ ही एक डिमेरिट पॉइंट भी दिया है। भारतीय टीम इंग्लैंड दौरे पर है। वे हेडिंग्ले टेस्ट में तीसरे दिन बॉल बदलने के लिए फील्ड अंपायर से भिड़ गए थे।

काउंसिल के मुताबिक पंत ने ICC कोड ऑफ कंडक्ट के लेवल-1 का उल्लंघन किया है और इसके लिए उन्हें एक डिमेरिट पॉइंट दिया गया है। पेनल्टी के तहत कोई आर्थिक जुर्माना नहीं लगाया गया है। पंत लिए यह 24 महीने की अवधि में पहला अपराध था।

24 महीने के भीतर 4 डिमेरिट पॉइंट मिलने पर खिलाड़ी पर एक मैच का सस्पेंशन लग जाता है।

पंत ने अपनी गलती मान ली है और ICC एलीट पैनल ऑफ मैच के रेफरी रिची रिचर्डसन द्वारा उन पर लगाई गई सजा को भी स्वीकार कर लिया है।

रडार से लेकर ड्रोन तक, सेना को मिलेंगे घातक हथियार

- **1981 करोड़ के 13 आपात समझौतों पर मुहर**

नई दिल्ली. भारत सरकार ने आतंकवाद के खिलाफ सेना की क्षमता को और मजबूती देने के उद्देश्य से एक बड़ा कदम उठाते हुए 1,981.90 करोड़ रुपये के 13 रक्षा समझौते किए हैं। ये सौदे 'आपातकालीन खरीद तंत्र' के तहत किए गए हैं ताकि सीमापार आतंकवाद से निपटने के लिए सेना की तैयारियों को मजबूत किया जा सके। रक्षा मंत्रालय के मुताबिक, यह खरीद प्रक्रिया तेज गति से पूरी की गई ताकि त्वरित क्षमता विकास सुनिश्चित किया जा सके। इन समझौतों के तहत भारतीय सेना को अत्याधुनिक सैन्य उपकरण और तकनीक मुहैया कराई जा रही है, जिससे सैनिकों की सजगता, मारक क्षमता, गतिशीलता और सुरक्षा में उल्लेखनीय वृद्धि होगी।

जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद के खिलाफ सख्त रुख

यह कदम ऐसे समय में उठाया गया है जब केंद्र सरकार ने पाकिस्तान समर्थित आतंकवाद से निपटने के लिए जम्मू-कश्मीर में सेना की ऑपरेशनल तैयारी को शीर्ष प्राथमिकता दी है। उल्लेखनीय है कि 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए भीषण आतंकी हमले के बाद भारत ने 7 मई को पाकिस्तान और पाक के कब्जे वाले कश्मीर (PoK) में स्थित नौ आतंकी ठिकानों पर सर्जिकल स्ट्राइक की थी।

तेजी से पूरी हुई खरीद प्रक्रिया

मंत्रालय ने बताया कि ये सभी सौदे तेज प्रक्रिया के तहत पूरे किए गए हैं ताकि तैनात सैनिकों को कम से कम समय में जरूरी उपकरण उपलब्ध कराए जा सकें। कुल 2,000 करोड़ रुपये के बजट में से 1,981.90 करोड़ रुपये की खरीद पहले ही पूरी कर ली गई है। रक्षा मंत्रालय ने कहा, 'आतंकवाद-रोधी अभियानों में सेना की ऑपरेशनल तैयारी को सशक्त बनाने के लिए यह एक महत्वपूर्ण कदम है। इन आपातकालीन खरीदों से भारतीय सेना की क्षमता में तेज और प्रभावी इजाफा होगा।'

क्या-क्या खरीदा जा रहा है?

रक्षा मंत्रालय ने बताया कि आपातकालीन खरीद तंत्र के अंतर्गत सेना के लिए इंटीग्रेटेड ड्रोन डिटेक्शन और इंटरडिक्शन सिस्टम (आईडीडीआईएस), लो लेवल लाइटवेट रडार (एलएलएलआर), बहुत कम दूरी की वायु रक्षा प्रणाली (वीएसएचओआरएडीएस), लॉन्चर और मिसाइल, रिमोटली पायलटेड एरियल व्हीकल (आरपीएवी), वर्टिकल टेक-ऑफ और लैंडिंग (वीटीओएल), सिस्टम सहित लोइटरिंग म्यूनिशन, विभिन्न श्रेणियों के ड्रोन, बुलेट प्रूफ जैकेट (बीपीजे), बैलिस्टिक हेलमेट, क्विक रिएक्शन फाइटिंग व्हीकल (क्यूआरएफवी), भारी और मध्यम और राइफलों के लिए नाइट साइट्स जैसे हथियार और उपकरण खरीदे जाएंगे।

कल्याण में निकलेगी भगवान जगन्नाथ की भव्य रथयात्रा

कल्याण. आषाढ़ी एकादशी के दिन कल्याण में अंतरराष्ट्रीय कृष्ण भावनामृत संघ की तरफ से भगवान जगन्नाथ की भव्य रथयात्रा निकाली जाएगी. संस्था के अनुयायी जगदीश माधव दास ने बताया कि रथयात्रा की शुरुआत दोपहर 3 बजे के करीब कल्याण पश्चिम में वसंतवेली के डी-मार्ट से की जाएगी. इस दौरान नृत्य, भजन और नाटक आदि विविध सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया है. खारघर नवी मुंबई इस्कॉन मंदिर के अध्यक्ष एचजी, डा.सुरदास प्रभु का आध्यात्मिक प्रवचन होगा.

महाराष्ट्र में बनेगा देश का सबसे लंबा एक्सप्रेसवे

मुंबई. महाराष्ट्र की देवेंद्र फडणवीस सरकार ने मंगलवार (24 जून) को एक अति महत्वाकांक्षी 'महाराष्ट्र शक्तिपीठ एक्सप्रेसवे' को मंजूरी दे दी। यह एक्सप्रेसवे 800 किलोमीटर लंबा होगा, जो पूर्वी महाराष्ट्र को दक्षिणी कोंकण से जोड़ते हुए 12 जिलों से होकर गुजरेगा। कैबिनेट की हुई बैठक में इसके निर्माण के लिए 20,787 करोड़ रुपये के आवंटन को भी मंजूरी दे दी गई है। कैबिनेट मीटिंग की अध्यक्षता मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने की।

अधिकारियों के मुताबिक, 802 किलोमीटर लंबा एक्सप्रेसवे वर्धा जिले के पवनार को सिंधुदुर्ग जिले में

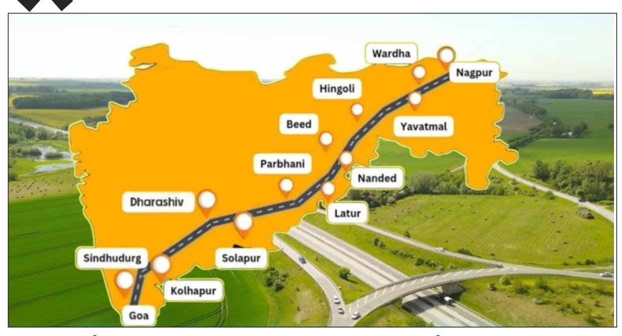

महाराष्ट्र-गोवा सीमा पर स्थित पात्रादेवी से जोड़ेगा। इस एक्सप्रेसवे से नागपुर और गोवा के बीच यात्रा का समय मौजूदा 18 घंटे से घटकर सिर्फ आठ घंटे रह जाने की उम्मीद है। हाई-स्पीड कॉरिडोर वर्धा, यवतमाल, हिंगोली, नांदेड़, परभणी, बीड, लातूर, धाराशिव, सोलापुर, सांगली, कोल्हापुर, सिंधुदुर्ग जिलों से होकर गुजरेगा।

नाम शक्तिपीठ एक्सप्रेसवे क्यों रखा गया?

बैठक में मुख्यमंत्री ने कहा कि जहां भी भूमि अधिग्रहण के डर से परियोजना का विरोध हो रहा है, वहां स्थानीय किसानों से बातचीत कर इस प्रोजेक्ट को जल्द से जल्द पूरा किया जाना चाहिए। इस एक्सप्रेसवा का नाम शक्तिपीठ एक्सप्रेसवे रखा गया है। अधिकारियों के अनुसार, एक्सप्रेसवे का उद्देश्य अंबाजोगाई, औंधा नागनाथ और परली वैजनाथ के दो ज्योतिर्लिंगों, करंजा-लाड, अक्कलकोट, औदुम्बर और नरसोबाची वाड़ी जैसे प्रमुख आध्यात्मिक और ऐतिहासिक स्थलों के अलावा माहुर, तुलजापुर, कोल्हापुर और पंढरपुर जैसे प्रमुख तीर्थ स्थलों को जोड़ना है। इसी वजह से इसका नाम शक्तिपीठ एक्सप्रेसवे रखा गया है।

HUDCO देगा 12,000 करोड़ का ऋण

महाराष्ट्र राज्य सड़क विकास निगम इस परियोजना को पूरा करेगा। हुडको ने लगभग 7,500 हेक्टेयर भूमि के अधिग्रहण के लिए 12,000 करोड़ रुपये का ऋण दिया है। उन्होंने कहा कि एक्सप्रेसवे का उद्देश्य राज्य के सभी शक्तिपीठों को जोड़ना और पर्यटन और कनेक्टिविटी के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों का विकास करना है। यह एक्सप्रेसवे किसी भी राज्य में देश का सबसे लंबा एक्सप्रेसवे होगा। यह उत्तर प्रदेश के गंगा एक्सप्रेसवे को भी पीछे छोड़ देगा, जिसकी लंबाई 594 किलोमीटर है। गंगा एक्सप्रेसवे मेरठ से प्रयागराज के बीच निर्माणाधीन है। बता दें कि वैसे दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे 1450 KM लंबा है लेकिन अभी 577 किलोमीटर तक शुरू किया गया है। इसके अलावा महाराष्ट्र का ही मुंबई-नागपुर एक्सप्रेस-वे 701 किलोमीटर लंबा है जो राज्य के 10 जिलों को जोड़ेगा।

महाराष्ट्र राज्य सफाई कर्मचारी आयोग के अध्यक्ष ने ठाणे मनपा का किया दौरा

- मनपा के सफाई कर्मचारियों के वेतन, मूलभूत सुविधाओं और अन्य मामलों की समीक्षा

ठाणे. महाराष्ट्र राज्य सफाई कर्मचारी आयोग के अध्यक्ष शेर सिंह रुक्कन सिंह डागोर ने आज ठाणे मनपा का दौरा कर सफाई कर्मचारियों के वेतन, मूलभूत सुविधाओं और अन्य मामलों की विस्तृत जानकारी ली। सफाई कर्मचारी सबसे महत्वपूर्ण तत्व हैं और वह शहर की सुंदरता को बनाए रखने के लिए लगातार काम कर रहे हैं, इसलिए आयोग के अध्यक्ष शेर सिंह रुक्कन सिंह डागोर ने मनपा प्रशासन को उन्हें दी जाने वाली सेवाओं और सुविधाओं का लाभ प्राथमिकता से देने के निर्देश दिए।महाराष्ट्र राज्य सफाई कर्मचारी आयोग के अध्यक्ष शेर सिंह रुक्कन सिंह डागोर ने मनपा के स्वर्गीय अरविंद पेंडसे हॉल में मनपा अधिकारियों के साथ बैठक की। इस बैठक में मनपा आयुक्त सौरभ राव, अतिरिक्त आयुक्त 2 प्रशांत रोडे, उपायुक्त जी.जी.गोदापुरे,उपायुक्त मनीष जोशी, अनघा कदम, चिकित्सा अधिकारी डॉ. प्रसाद पाटिल, स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. रानी शिंदे,कार्मिक अधिकारी दयानंद गुंडप सहित अन्य अधिकारी तथा सफाई कर्मचारी संघ के पदाधिकारी और कर्मचारी प्रतिनिधि उपस्थित

थे।उपायुक्त जी.जी. गोदापुरे ने ठाणे मनपा की ओर से सफाई कर्मचारियों के लिए आश्रय, कुल कार्यरत सफाई कर्मचारियों, अस्थायी सफाई कर्मचारियों, उनकी पदोन्नति, वेतन, स्वास्थ्य सुविधाओं के साथ-साथ मनपा के कूड़ा करकट और मलजल विभाग के अंतर्गत जनशक्ति, रिक्तिपद, पदोन्नति, कर्मचारियों के भत्ते, उत्तराधिकार में दी जाने वाली नियुक्तियां आदि के संबंध में विस्तृत जानकारी दी। सफाई कर्मचारी एक महत्वपूर्ण तत्व हैं और वे शहर को साफ रखने के लिए निरंतर काम कर रहे हैं। इसलिए उन्होंने मनपा प्रशासन को उन्हें दी जाने वाली सेवाओं और सुविधाओं का लाभ प्राथमिकता से देने के निर्देश दिए। सफाई कर्मचारियों के लिए लैड-पेज नीति के अनुसार चेंजिंग रूम, चिकित्सा सुविधाएं, पीएफ, नई भर्ती प्रक्रिया और उत्तराधिकार अधिकार के मुद्दों का तुरंत समाधान किया जाना चाहिए। सफाई कर्मचारियों के सेवानिवृत्त होने के 30 दिन के अंदर उनके उत्तराधिकारियों को नौकरी पर रखने की कार्रवाई की जाए तथा सफाई कर्मचारियों के उत्तराधिकारियों को उनकी शैक्षणिक योग्यता के अनुसार नौकरी पर रखा जाए। इसी तरह सफाई कर्मचारियों को अस्पतालों में कैशलेस सुविधाएं उपलब्ध करवाने की योजना बनाई जाए। ठाणे मनपा में संविदा पर काम करने वाले सफाई कर्मचारियों को भी सभी स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध करवाई जाएं। यदि ठेकेदार संविदा कर्मचारियों को समय पर वेतन नहीं देता है तो उस ठेकेदार का ठेका रद्द कर उसे काली सूची में डाला जाए। साथ ही मनपा में 25 वर्ष की सेवा पूरी कर चुके कर्मचारियों को मालिकाना घर मिले, इसके लिए कार्रवाई की जाए। महाराष्ट्र राज्य सफाई कर्मचारी आयोग के अध्यक्ष ने सफाई कर्मचारियों को सुरक्षा उपकरण, कर्मचारियों की स्वास्थ्य जांच तथा महिला कर्मचारियों की मैमोग्राफी जांच सहित अन्य सुविधाएं उपलब्ध करवाने पर संतोष व्यक्त किया।

केबल लगी आग, कोई हताहत नहीं

ठाणे. शहर स्थित नौपाडा परिसर के वराडवाड़ी में लगभग चार बजे आपदा प्रबंधन कक्ष को मा.सहायक आयुक्त भालचन्द्र घुगे ने दी।यह घटना रिव्हायवल अस्पताल के पास महावितरण के इलेक्ट्रिकसिटी बॉक्स के केबल में लग गई थी।इस घटना की जानकारी मिलते ही घटना स्थल पर महावितरण कर्मचारी, आपदा प्रबंधन विभाग के कर्मचारी 1 पिकअप वाहन तथा अग्निशमन विभाग के कर्मचारी घटनास्थल पर तत्काल पहुंच कर लगी आग को पूरी तरह बुझा दिया।

पेड़ों पर अवैध रूप से लगा झालर

- मनपा के नियमों की उड़ी धज्जी
- नागरिकों की जान से खिलवाड़

ठाणे। शहर में सार्वजनिक सुरक्षा और पर्यावरण संरक्षण के सभी नियमों की धज्जियां उड़ाते हुए पेड़ों पर अवैध रूप से बिजली के झालर लगाने का मामला सामने आया है। पिछले कुछ दिनों से ठाणे पूर्व में जीजामाता मार्ग पर दो पेड़ों पर बिजली की रोशनी लगाई गई है और मानसून के दौरान इस तरह की रोशनी से न केवल पेड़ों को नुकसान पहुंच सकता है, बल्कि नागरिकों की सुरक्षा भी खतरे में पड़ सकती है।इससे बिजली के झटके, शॉर्ट सर्किट, पेड़ों में आग लगने की संभावना के साथ-साथ सार्वजनिक सड़कों पर दुर्घटनाएं होने का खतरा है। उल्लेखनीय है कि इस तरह की चीजें केवल सौंदर्य प्रयोजनों के लिए की जा रही हैं - लेकिन इससे पर्यावरण और

सार्वजनिक स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की आशंका है।

ठाणे मनपा उद्यान विभाग ने पेड़ों पर बिजली की रोशनी लगाने पर स्पष्ट रूप से रोक लगा दी है। फिर भी, किसकी अनुमति से, किसकी सहमति से यह अवैध कार्य चल रहा है, लेकिन स्थानीय लोगों ने मनपा पर इस मामले में आंखें मूंद लेने का आरोप लगाया है।

> पेड़ों पर बिजली की रोशनी डालना गलत है और अगर वे इस तरह से पेड़ों को नुकसान पहुंचा रहे हैं तो उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।
> (वृक्ष प्राधिकरण विभाग, ठाणे मनपा)

> स्थानीय नागरिकों, पर्यावरणप्रेमी और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने इस घटना पर कड़ा रोष व्यक्त किया है और संबंधित व्यक्तियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। पेड़ सजावट के लिए नहीं होते, वे जीवन बचाने के लिए होते हैं। आज वह ही खतरे में हैं, यह शर्मनाक है।
> – पुंडलिक घाग
> (पर्यावरण प्रेमी, ठाणे पूर्व)

रक्तदान शिविर में 150 लोगों ने किया रक्तदान

भिवंडी. मानसरोवर शॉपिंग सेंटर में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की ओर से रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया. 'रक्तदान महादान' शिविर में 150 लोगों ने रक्तदान किया.कार्यक्रम की शुरुआत छत्रपति शिवाजी महाराज और भारत माता की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर की गई. मानसरोवर क्षेत्र के आरएसएस वरिष्ठ कार्यकर्ता कन्हैयालाल अग्रवाल ने बताया कि यह शिविर पिछले 15 वर्षों से हिंदवी स्वराज्य दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित किया जाता है.अब तक इस आयोजन के माध्यम से करीब 20 हजार यूनिट रक्त एकत्र किया जा चुका है. शिविर ठाणे की वामनराव ओक रक्तपेढ़ी के सहयोग से संपन्न हुआ.रक्तदान शिविर को सफल बनाने में नगर संघचालक बलराज दोडी, कार्यवाह शिवलाल पटेल, गजानन अग्रवाल, बजरंग चौधरी, कन्हैया अग्रवाल एवं सत्यप्रकाश सिंह की अहम भूमिका रही.

गरीब, बेसहारा बच्चों और आदिवासी परिवार को भोजन करा कर मनाई पिता की पुण्यतिथि

भिवंडी. अच्छी सोच के लोग अब अपने बुजुर्ग या पूर्वजों की पुण्यतिथि पर दिखावा करने, अनावश्यक धन खर्च करने के बजाय अब बेसहारा, गरीबों और जरूरतमंदों की मदद करने की तरफ हाथ बढाने लगे हैं. समाजसेवक व उत्तर भारतीय समाज सेवा संस्था उपाध्यक्ष सदाप्रकाश सिंह ने अपने पिता स्व.ओमप्रकाश सिंह की पुण्यस्मृति पर बाल सुधार गृह में करीब 100 बच्चों को भोजन कराकर अन्नदान किया.उक्त अवसर पर बाल सुधार गृह भिवंडी में डा अमित सिंह,

सुमित सिंह, अमन सिंह और कुमार शिवांश सिंह सहित मानद सचिव दिलीप कलंत्री, उ.भा.समाज सेवा संस्थाध्यक्ष कृष्णगोपाल सिंह, ठाकुर श्रीराज सिंह, पत्रकार गुरुप्रसाद सिंह, मनोज सिंह, एड. प्रवीण मिश्रा, रामशंकर केसरवानी, डा.आर पी सिंह, पत्रकार संजय दुबे, पीडी यादव, अजीत सिंह,कीर्ति सिंह, अनिल सिंह, सुनील सिंह आदि ने बाल सुधार गृह में बच्चों द्वारा पुण्यात्मा हेतु की गई प्रार्थना में शामिल हुए. समाजसेवी सदाप्रकाश सिंह ने बताया कि, स्व.पिता की पुण्यस्मृति मौके पर 2 दिनों पूर्व परिजनों के संग काम्बा गांव स्थित आदिवासी गांव सहित वृद्धाश्रम आश्रम में गरीब लोगों को भोजन, वस्त्र वितरित किए है.

पहाड़ी पर भूस्खलन से 7 झोपड़ियाँ क्षतिग्रस्त

भिवंडी. भिवंडी शहर में रात को भारी बारिश के कारण नागांव गायत्री नगर इलाके के पहाड़ी पर बसी झोपड़ियों वाले इलाके में भूस्खलन हुआ. हादसे में 7 झोपड़ियाँ क्षतिग्रस्त हो गईं, लेकिन सौभाग्य से किसी जनहानि या चोट की खबर नहीं है.उक्त दुर्घटना नागांव गायत्रीनगर के घनी आबादी वाले इलाके में हुई, जहां एक पहाड़ी पर झोपड़ियां बनी हुई हैं. कोई हताहत नहीं हुआ क्योंकि यहाँ की झोपड़ियाँ मानसून से पहले ही खाली कर दी गई थीं.

प्रभाग समिति क्रमांक 1 और 2 प्रभारी सहायक आयुक्त मकसूद शेख और माणिक जाधव मनपा की आपातकालीन टीम के साथ मौके पर पहुंचे और एहतियात के तौर पर उन्होंने दुर्घटना के आसपास की झोपड़ियों को हुए नुकसान के कारण तीन परिवारों को अस्थायी रूप से पास के मनपा स्कूल में स्थानांतरित कर दिया है.

शहर के नागांव गायत्री नगर, नूरी नगर, राम नगर, नवीबस्ती, नेहरू नगर, साठे नगर, फुले नगर, अजमेर नगर, पटेल कंपाउंड में पहाड़ियों पर हजारों झोपड़ियाँ स्थित हैं.

PUBLIC NOTICE

NOTICE is hereby given to the public at large informing that my client intending to purchase the property Gala (Pucca Structure) bearing Sheet No. 51 Zone CO Chalta No. 189, Plot No. 69 (P), Near Ulhasnagar Municipal Corporation Opp. Dhanlaxmi Society Ulhasnagar-3 Dist. Thane, area adm. 300 Sq. Ft, carpet area duly fitted with electric connection assessed under Municipal Ward No. 29, Property No. 29CO005374900 (as it is where it is basis) from Mr. Kumar Lalchand Chawla

If Any person or persons having claim against or in the above property by way of any arrangement, agreement, partnership, tenancy, inheritance, succession, trust, mortgage, lien, lease, charge, maintenance easement or Govt. Liability or GST Liability otherwise howsoever is hereby required to make the same known to me in writing with documentary proof at my following address within a period of 7 days from the date hereof, otherwise such claim or claims shall be considered waived and abandoned and my client shall be absolutely free to purchase the above said property by entering into Sale Deed/Agreement free from all encumbrances.

Ramesh T. Ramrakhiyani
B.com LLB
Advocate High Court
9, Roopmilan Society, Main Road, Opp. Venus Talkies, Ulhasnagar-4
Mobile : 9320667400 /9422667400

काजोल ने रामोजी फिल्म सिटी को कहा था हांटेड

काजोल ने कहा, 'मैंने कई प्रोजेक्ट्स की शूटिंग रामोजी फिल्म सिटी में की है और वहां कई बार रुकी भी हूं। यह हमेशा एक बहुत प्रोफेशनल जगह रही है। मैंने वहां कई टूरिस्ट को एंजॉय करते हुए देखा है। यह एक शानदार डेस्टिनेशन है और बच्चों व परिवारों के लिए पूरी तरह सुरक्षित है।'

काजोल ने क्या कहा था?

बता दें कि गैलट्टा इंडिया को दिए इंटरव्यू में जब काजोल से पूछा गया कि क्या उन्होंने कभी नेगेटिव एनर्जी महसूस की है, तो उन्होंने कहा था, 'इसे आप नेगेटिव एनर्जी कहें या वाइब्स, लेकिन कभी-कभी जब आप किसी जगह पर जाते हैं, तो महसूस होता है कि कुछ ठीक नहीं है। मैंने ऐसी जगहों पर शूट किया है जहां मुझे पूरी रात नींद नहीं आई और लगा कि बस यहां से निकल जाऊं। ऐसी बहुत सी जगहें हैं।'

विवाद बढ़ने पर दी सफाई, कहा- यह शानदार और सुरक्षित जगह है

एक्ट्रेस काजोल को हैदराबाद की रामोजी फिल्म सिटी को 'हांटेड' कहने पर आलोचना का सामना करना पड़ा। जिसके बाद उन्होंने बयान को लेकर सफाई दी है।

सोमवार को काजोल ने अपने आधिकारिक X अकाउंट पर लिखा, 'मैं अपनी फिल्म मां के प्रमोशन के दौरान दिए गए उस बयान को स्पष्ट करना चाहती हूं, जिसमें मैंने रामोजी फिल्म सिटी का जिक्र किया था।'

बातचीत में काजोल ने ये भी कहा था, 'एक प्रमुख उदाहरण है रामोजी राव स्टूडियो, जो दुनिया की सबसे हांटेड जगहों में गिना जाता है। हालांकि, मैं लकी रही हूं कि मुझे वहां कुछ भी ऐसा अनुभव नहीं हुआ।'

काजोल के इस बयान पर सोशल मीडिया पर कुछ लोगों ने आपत्ति जताई थी।

मनपा अतिक्रमण विभाग ने पांच दिनों में 73 अवैध निर्माण को किया ध्वस्त

ठाणे। उच्च न्यायालय द्वारा दिए गए निर्देशों के अनुसार प्रभाग समिति के बीट निरीक्षकों द्वारा किए गए निरीक्षण के अनुसार मनपा के अतिक्रमण विभाग तोड़ कार्रवाई कर रही है।19 से 24 जून तक कुल 73 अनधिकृत निर्माणों पर कार्रवाई की गई। इसमें पूर्ण इमारत, प्लिंथ, कॉलम, स्लैब, अतिरिक्त निर्माण शामिल हैं।अनधिकृत निर्माणों को हटाने के लिए प्रभाग स्तर पर कार्रवाई जारी रहेगी।अनधिकृत निर्माणों के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए,मनपा आयुक्त सौरभ राव ने प्रत्येक प्रभाग समिति क्षेत्र में एक सहायक आयुक्त के नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन किया है। आयुक्त सौरभ राव ने इन टीमों को अपने-अपने क्षेत्रों में अनधिकृत निर्माणों के संबंध में शिकायतों और स्थल निरीक्षण के आधार पर तत्काल कार्रवाई करने का आदेश दिया है। अतिरिक्त आयुक्त प्रशांत रोडे के मार्गदर्शन में कार्रवाई की प्रक्रिया तय की गई है।ठाणे मनपा क्षेत्र में ग्राउंड फ्लोर प्लस फोर फ्लोर, सीआरजेड क्षेत्र में निर्मित स्क्रैप यार्ड, मौजूदा अनधिकृत इमारत पर अतिरिक्त निर्माण, प्लिंथ, दुकान में अतिरिक्त निर्माण आदि विभिन्न शिकायतों के अनुसार 19 और 20 जून को की गई कार्रवाई में कुल 33 अनधिकृत निर्माणों पर कार्रवाई की गई, जबकि 21 और 23 जून को कुल 30 अनधिकृत निर्माणों पर कार्रवाई की गई और आज 24 जून को 10 अनधिकृत निर्माणों पर कार्रवाई की गई। उपायुक्त (अतिक्रमण विभाग) शंकर पटोले ने बताया कि दिवा में सर्वे क्रमांक 178, 179, 180 पर दो इमारतों को पूरी तरह से खाली करा दिया गया है। इस कार्रवाई में उपायुक्त , सभी सहायक आयुक्त, अतिक्रमण और निर्माण विभाग के अधिकारी और कर्मचारी शामिल हुए। इस कार्रवाई के लिए पोकलेन, जेसीबी, गैस कटर, ट्रैक्टर ब्रेकर का उपयोग किया गया।

Staff Required
SINDHI MALE
Qualification B.COM PASSED For ACCOUNTANT & For SALESMAN Qualification- 10TH PASSED
CONTACT : MR. RAJESH
Mob. No. : 9307579475

उल्हास वि NEWS LIVE
FOLLOW US @ulhasvikas ulhasvikas@gmail.com
Google Play
GET IT ON ULHAS VIKAS Google Play
Subscribe to our ULHAS VIKAS YouTube Channel
Subscribe
मुंबई, ठाणे, नवी मुंबई, पनवेल, रायगड़, उल्हासनगर, कल्याण एवं अंबरनाथ का लोकप्रिय हिंदी दैनिक
उल्हास विकास
सब पे नजर, सबकी खबर
Since 1985

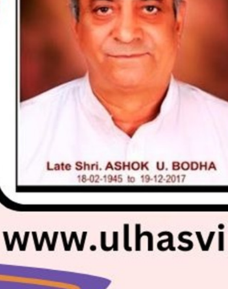

Late Shri. ASHOK U. BODHA
18-02-1945 to 19-12-2017
www.ulhasvikas.com
epaper.ulhasvikas.com
Chief Editor Hero Ashok Bodha
L.L.B., BMM, MA (PS)

यह वृत्तपत्र प्रकाशक, मुद्रक, संपादक **श्री हीरो अशोक बोधा** ने श्री गोपाल प्रेस, ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से छपवाकर ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से प्रकाशित किया. **आर.एन.आई. नं. 43638/85** Email: ulhasvikas@gmail.com संपादकीय-विज्ञापन फोन : 2709099